www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

मौसम
अधिकतम तापमान 35.c
28.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 95.770g
चांदी 78.800 kg

2 निर्णायक प्रतिकार का समय, पाकिस्तान को मिलना चाहिए पहलगाम हमला का करारा जवाब

निजी मेडिकल कॉलेज में नर्स की मौत 04

वर्ष :08 | अंक :307 | मुंबई , मंगलवार , 29 अप्रैल , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

बलिया में कार और टेंपो की टक्कर में दो मजदूरों की मौत

उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के सिकंदरपुर कस्बे में सोमवार दोपहर एक कार और टेंपो की आमने-सामने की टक्कर में दो मजदूरों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि गोरखपुर-बलिया राजमार्ग पर हुए इस हादसे में टेंपो सवार लक्ष्मण राजभर (45) और बेचू राजभर (35) की मौत हो गई। थाना प्रभारी प्रवीण सिंह ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने कार को अपने कब्जे में ले लिया और घटना में जान गंवाने वाले दोनों मजदूरों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सिंह के अनुसार, दोनों मृतक नेमा के टोला गांव के रहने वाले थे और हादसे के समय वे टेंपो से बलिया की ओर जा रहे थे।

चतरा में निमार्णाधीन गोदाम से गिरकर मजदूर की मौत

झारखंड के चतरा जिले में निमार्णाधीन गोदाम से गिरकर एक मजदूर की मौत हो गई और एक अन्य श्रमिक घायल हो गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना रविवार शाम को इटखोरी थानाक्षेत्र के परसौनी गांव में हुई। इटखोरी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार ने बताया कि घटना के समय मजदूर टीन शेड ठीक कर रहे थे। उन्होंने बताया, अचानक तेज हवा के कारण शेड की चादरें उड़ने से मजदूर संतुलन खो बैठे और जमीन पर गिर पड़े। एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा श्रमिक घायल हो गया। अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान देवनारायण विश्वकर्मा (47) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि घायल व्यक्ति कालीचरण विश्वकर्मा (37) को हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश की कई विभूतियों को पद्म पुरस्कार 2025 से नवाजा

क्रिकेटर आर अश्विन को पद्मश्री; हॉकी खिलाड़ी श्रीजेश को पद्म भूषण मिला; कुवैत की शेखा अली पद्मश्री से सम्मानित

पद्म पुरस्कार
राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह-क में इस वर्ष 139 लोगों को पद्म पुरस्कारों के लिए चुना गया है। पहले चरण में 71 विशिष्ट हस्तियों को इन पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। यह समारोह भारतीय समाज के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले व्यक्तियों को उनकी सेवाओं के लिए मान्यता देने का एक महत्वपूर्ण अवसर था

एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में 2025 के लिए पद्म अवॉर्ड्स दिए। साल की पहली पद्म सेरेमनी में 71 हस्तियों को पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री से सम्मानित किया गया। जबकि बाकी हस्तियों को जल्द ही एक अलग समारोह में सम्मानित किया जाएगा। सोमवार को हुई सेरेमनी में 4 पद्म विभूषण, 10 पद्म भूषण और 57 पद्म श्री पुरस्कार दिए गए।कला के क्षेत्र में साउथ फिल्मों के एक्टर अजीत, डायरेक्टर शेखर कपूर को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। वहीं गजल गायक पंकज उधास को मरणोपरांत पद्म भूषण सम्मान दिया गया। अवॉर्ड उनकी पत्नी फरीदा ने लिया।क्रिकेटर आर अश्विन को पद्मश्री, हॉकी खिलाड़ी श्रीजेश को पद्म भूषण दिया गया। वहीं कुवैत की योग टीचर शेखा अली को भी चिकित्सा क्षेत्र में पद्मश्री से सम्मानित किया गया।सरकार ने गणतंत्र दिवस से पहले 2025 के लिए 139 पद्म पुरस्कारों का ऐलान किया था। इनमें शारदा सिन्हा, ओसामु सुजुकी समेत 13 हस्तियां को मरणोपरांत पुरस्कार दिए जा रहे हैं।19 हस्तियों को पद्म भूषण के लिए चुना गया है। 113 हस्तियों को इस बार पद्म श्री से सम्मानित किया जाना है। पद्म पुरस्कार विजेताओं में से 23 महिलाएं हैं।

गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ को पद्मश्री

वैदिक स्कॉलर गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्म श्री से सम्मानित किया। इन्होंने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर के भूमि पूजन और प्राण प्रतिष्ठा का शुभ समय तय किया था।

यूपी विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हृदय नारायण पद्मश्री

उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित को साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पद्म श्री पुरस्कार प्राप्त हुआ।

अमेरिकी लेखक स्टीफन नैप को पद्मश्री

वैदिक संस्कृति और आध्यात्मिकता पर अपने लेखन के लिए मशहूर अमेरिकी लेखक और शोधकर्ता स्टीफन नैप को साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

हॉकी खिलाड़ी पीआर श्रीजेश को पद्म भूषण अवॉर्ड

पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी पीआर श्रीजेश को खेल के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्म भूषण अवॉर्ड दिया।

'पहलगाम मुद्दे पर पार्टी लाइन से अलग बयान न दें'

कांग्रेस ने अपने नेताओं को जारी किया निर्देश

कांग्रेस की ओर से यह आदेश ऐसे समय में आया है जब इस हमले पर पार्टी के कुछ नेताओं की टिप्पणियों ने विवाद को जन्म दे दिया है, जिसमें कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया का बयान भी शामिल है। अब युद्ध की कोई जरूरत नहीं है कहने के बाद विवाद खड़ा होने के एक दिन बाद, कर्नाटक के सीएम ने रविवार को स्पष्टीकरण जारी किया।

एजेंसी

- कांग्रेस विधायक का सवाल, क्या आतंकियों ने धार्मिक पहचान की पुष्टि की थी
- बीजेपी ने कांग्रेस नेताओं पर पाकिस्तान को क्लीन चिट देने का आरोप लगाया
- पार्टी नेताओं के अलग-अलग बयान से कांग्रेस के बड़े नेता नाराज, दी नसीहत

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को अपने पार्टी नेताओं से पहलगाम आतंकी हमले पर ऐसी कोई टिप्पणी न करने को कहा जो इस मुद्दे पर पार्टी के आधिकारिक रुख से अलग हो। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने निर्देश दिया, पहलगाम मुद्दे पर पार्टी लाइन से अलग बयान न दें। कांग्रेस की ओर से यह आदेश ऐसे समय में आया है जब इस हमले पर पार्टी के कुछ नेताओं की टिप्पणियों ने विवाद को जन्म दे दिया है, जिसमें कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया का बयान भी शामिल है। अब युद्ध की कोई जरूरत नहीं है कहने के बाद विवाद खड़ा होने के एक दिन बाद, कर्नाटक के सीएम ने रविवार को स्पष्टीकरण जारी किया।सिद्धारमैयाने अपने बयान को स्पष्ट करते हुए कहा, मैंने कभी नहीं कहा कि पाकिस्तान के साथ युद्ध नहीं होना चाहिए; अगर युद्ध अपरिहार्य है, तो यह होगा। जहां कांग्रेस ने इस टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया, वहीं भाजपा ने सिद्धारमैया पर निशाना साधते हुए उन्हें पाकिस्तान रत्न कहा। उल्लेखनीय है कि उनकी टिप्पणी को एक पाकिस्तानी समाचार चैनल ने भी चलाया। इस बीच, महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता विजय वडेट्टीवार ने भी यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि, सरकार को पहलगाम आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। वे (सरकार) कह रहे हैं कि आतंकवादियों ने लोगों से (उनके धर्म के बारे में) पूछकर उन्हें मार डाला। क्या आतंकवादियों के पास यह सब करने का समय है?... कुछ लोग कहते हैं कि ऐसा नहीं हुआ। आतंकवादियों की कोई जाति या धर्म नहीं होता। जिम्मेदार लोगों की पहचान करें और उचित कार्रवाई करें। यह देश की भावना है।भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा है कि कांग्रेस के कुछ नेताओं की टिप्पणियों का इस्तेमाल पाकिस्तान भारत को बदनाम करने के लिए कर रहा है।

पाकिस्तानियों को खदेड़ने में योगी सरकार सख्त

यूपी से चुन-चुन कर किया गया पाकिस्तानी नागरिकों को बाहर, सीएम ने खुद की मॉनिटरिंग

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा एक्शन लेते हुए कई अहम निर्णय लिया। इस दौरान केंद्र सरकार ने देश के सभी राज्यों को एडवाइजरी जारी करते हुए पाकिस्तानी नागरिकों को वापस उनके देश भेजने के निर्देश दिये।

एजेंसी

पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार के निर्देश पर उत्तर प्रदेश से पाकिस्तानी नागरिकों को देश से बाहर कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देश और पल-पल मॉनीटरिंग का नतीजा है कि पूरे देश में उत्तर प्रदेश पहला राज्य है, जहां 24 घंटे के अंदर प्रदेश में रह रहे शत-प्रतिशत पाकिस्तानी नागरिकों को देश से बाहर कर दिया गया है। वहीं अंतिम बचे एक पाकिस्तानी नागरिक को बुधवार को वापस भेज दिया जाएगा। पुलिस विभाग और खुफिया एजेंसी द्वारा लगातार उस पर नजर रखी जा रही है।हम आपको बता दें कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा एक्शन लेते हुए कई अहम निर्णय लिया। इस दौरान केंद्र सरकार ने देश के सभी राज्यों को एडवाइजरी जारी करते हुए पाकिस्तानी नागरिकों को वापस उनके देश भेजने के निर्देश दिये। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गृह विभाग समेत अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की।

पाकिस्तान की परमाणु धमकी पर ओवैसी का कड़ा जवाब

मासूमों की हत्या करोगे तो चुप नहीं बैठेंगे, हमारा मिलिट्री बजट तुम्हारे देश से ज्यादा

पाकिस्तान के क्रिकेटर शाहिद अफरीदी ने पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले का दोष भारतीय सेना पर मढ़ा और कहा कि वे नागरिकों को आतंकवादियों से बचाने में असमर्थ हैं। पूर्व ऑलराउंडर की यह टिप्पणी 26 लोगों, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे, के मारे जाने के लगभग एक सप्ताह बाद आई है।

एजेंसी

छत्रपति शंभाजीनगरः ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को पाकिस्तान पर जमकर निशाना साधा. ओवैसी ने कहा कि, चाहे वह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई हो, आतंकवादी संगठन आईएसआईएस हो या पाकिस्तानी प्रतिष्ठान हो, ये सभी समूह हिंदुओं और मुसलमानों को लड़ते हुए देखना चाहते हैं. एआईएमआईएम चीफ ने कहा कि, पहलगाम हमले की वजह यही है. चाहे वह आईएसआई हो या आईएसआईएस, या डीप स्टेट, पाकिस्तान सरकार चाहती है कि, भारत में हमेशा हिंदू और मुसलमान आपस में लड़ते रहे. ओवैसी ने कहा, पहलगाम में गैर-मुस्लिमों, हमारे भाइयों और बहनों को मारने का एजेंडा केवल एक था क्योंकि वे (पाकिस्तान) यह कहना चाहते थे कि कोई भी गैर-मुस्लिम यहां (कश्मीर) नहीं आ सकता.

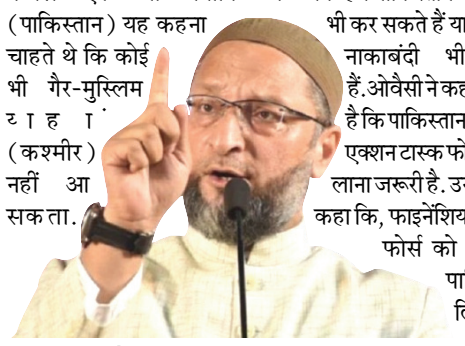

ओवैसी ने महाराष्ट्र के छत्रपति शंभाजी नगर जिले में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह बात कही. उन्होंने आगे कहा कि हम पाकिस्तान पर साइबर हमला भी कर सकते हैं या नौसेना या हवाई नाकाबंदी भी कर सकते हैं. ओवैसी ने कहा कि, उनकी मांग है कि पाकिस्तान को फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की ग्रे लिस्ट में लाना जरूरी है. उन्होंने जोर देते हुए कहा कि, फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स को चाहिए कि वह पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में लाए

'भारत में 5 लाख पाकिस्तानी लड़कियां...'

निशिकांत दुबे ने बताया आतंकवाद का नया चेहरा, बोले- इनसे कैसे लड़े?

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दुबे ने दावा किया कि पांच लाख से अधिक पाकिस्तानी लड़कियां शादी करने के बाद भारत में रह रही हैं, लेकिन अभी तक उन्हें भारतीय नागरिकता नहीं मिली है।

एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने सोमवार को पाकिस्तानी आतंकवाद का नया चेहरा करार देते हुए चिंता जताई और उन पाकिस्तानी लड़कियों का मुद्दा उठाया जो शादी के बाद भारत में आ गई हैं, लेकिन अभी तक उन्हें भारतीय नागरिकता नहीं मिली है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दुबे ने दावा किया कि पांच लाख से अधिक पाकिस्तानी लड़कियां शादी करने के बाद भारत में रह रही हैं, लेकिन अभी तक उन्हें भारतीय नागरिकता नहीं मिली है।अपने एक एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा कि पाकिस्तानी आतंकवाद का एक नया चेहरा अब सामने आया, लगभग 5 लाख से उपर पाकिस्तानी लड़की भारत में शादी कर हिंदुस्तान में रह रही है।, आजतक उनको भारत की नागरिकता नहीं मिली है।

बंदूक से आतंकवाद कंट्रोल होगा, खत्म नहीं

विधानसभा में उमर अब्दुल्ला बोले- अभी पूर्ण राज्य के दर्जे की मांग नहीं उठाऊंगा

अब्दुल्ला ने आगाह किया कि सरकार को ऐसा कोई कदम उठाने से बचना चाहिए जिससे जनता अलग-थलग पड़ जाए। पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करने के लिए सदन में प्रस्ताव पर चर्चा को समाप्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आतंकवाद या उग्रवाद तभी खत्म होगा जब लोग हमारे साथ होंगे। आतंकवाद के खिलाफ लोगों के आक्रोश को देखते हुए, अगर हम उचित कदम उठाते हैं तो यह इसके खात्मे की शुरूआत है।

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार आतंकवाद के खिलाफ लोगों के अभियान को मजबूत करेगी क्योंकि इसे केवल जनता के सहयोग से ही हराया जा सकता है। हालांकि, अब्दुल्ला ने आगाह किया कि सरकार को ऐसा कोई कदम उठाने से बचना चाहिए जिससे जनता अलग-थलग पड़ जाए। पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करने के लिए सदन में प्रस्ताव पर चर्चा को समाप्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आतंकवाद या उग्रवाद तभी खत्म होगा जब लोग हमारे साथ होंगे। आतंकवाद के खिलाफ लोगों के आक्रोश को देखते हुए, अगर हम उचित कदम उठाते हैं तो यह इसके खात्मे की शुरूआत है।उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हमें ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहिए जिससे लोग अलग-थलग पड़ जाएं। हम बंदूक से आतंकवादी को नियंत्रित नहीं कर सकते, लेकिन अगर लोग हमारे साथ हैं तो हम आतंकवाद को खत्म कर सकते हैं। मुझे लगता है कि अब समय आ गया है। जम्मू-कश्मीर में अभूतपूर्व और स्वतःस्फूर्त विरोध प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि श्रीनगर की जामिया मस्जिद में पहली बार शुक्रवार की नमाज से पहले दो मिनट का मौन रखा गया।

सिद्धारमैया को आया गुस्सा, एडिशनल एसपी को थप्पड़ मारने के कर्नाटक सीएम ने उठाया हाथ

वायरल हुआ वीडियो

भाजपा की महिला कार्यकर्ता साइट के करीब विरोध प्रदर्शन कर रही थीं, और एएसपी भरमनी को मंच के आसपास सुरक्षा का प्रबंधन करने के लिए नियुक्त किया गया था। स्थिति से निपटने से नाखुश, सिद्धारमैया ने भरमनी को मंच पर बुलाया और सार्वजनिक रूप से उन्हें फटकार लगाते हुए पूछा कि आप, जो भी हो, यहाँ आए, आप क्या कर रहे थे?

एजेंसी

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया बेलगावी में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) को लगभग थप्पड़ मारने के लिए तैयार दिखाई दिए, जिसके बाद वे नए विवाद के केंद्र में आ गए। इस घटना का वीडियो बनाया गया और इसे व्यापक रूप से प्रसारित किया गया, जिसमें सिद्धारमैया एएसपी नारायण भरमनी को मंच पर बुलाने के बाद गुस्से में हाथ उठाते हुए दिखाई दे रहे हैं। कथित तौर पर टकराव उस जगह के पास व्यवधान से उपजा था, जहां सिद्धारमैया को जनता को संबोधित करना था।

तोहफा

डीए में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी, 16 लाख लोगों को होगा लाभ

सरकारी कर्मचारियों को एमके स्टालिन का तोहफा

एजेंसी

नई दिल्लीः अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोमवार को कई घोषणाएं कीं, जिनमें राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी भी शामिल है। विधानसभा में की गई नौ घोषणाओं से राज्य के खजाने पर 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का बोझ पड़ेगा। स्टालिन ने कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में की गई बढ़ोतरी के बराबर 2% की बढ़ोतरी की जाएगी, जो 1 जनवरी, 2025 से पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू होगी। इससे राज्य के खजाने पर 1,252 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय आएगा और करीब 16 लाख सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों, पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों को लाभ मिलेगा। स्टालिन ने कहा कि सी और डी श्रेणी के पेंशनभोगियों - सभी श्रेणियों के पारिवारिक पेंशनभोगियों - को दी जाने वाली अनुग्रह राशि 500 रुपये से बढ़ाकर 1,000 रुपये की जाएगी। इस उपाय से 4.71 लाख पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों को लाभ मिलेगा और इस पर 24 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय होगा। सरकारी कर्मचारियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि वे ही लोगों को लाभ पहुंचाने वाली विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं और परियोजनाओं को लागू कर रहे हैं। उन्होंने महामारी के दौरान निलंबित की गई नकद लाभ के लिए अर्जित अवकाश को सरेंडर करने की सुविधा को फिर से शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि 1 अक्टूबर, 2025 से नकद लाभ प्राप्त करने के लिए 15 दिनों तक की अर्जित छुट्टी को सरेंडर किया जा सकता है।

विधानसभा में की गई नौ घोषणाओं से राज्य के खजाने पर 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का बोझ पड़ेगा। स्टालिन ने कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में की गई बढ़ोतरी के बराबर 2% की बढ़ोतरी की जाएगी, जो 1 जनवरी, 2025 से पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू होगी।

यह सरकारी कर्मचारियों द्वारा इस वर्ष से इसे लागू करने के अनुरोध के बाद किया गया है। इस कदम से लगभग 8 लाख सरकारी अधिकारियों और शिक्षकों को लाभ होगा। सरकार इसके लिए 3,561 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि आवंटित करेगी। सरकार ने लोगों और विभिन्न विभागों के लिए कई योजनाएं लागू की हैं।

इनकी सराहना हो रही है। कई मायनों में तमिलनाडु भारत का शीर्ष राज्य है। सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों की कड़ी मेहनत इसका एक महत्वपूर्ण कारण है। सीएम ने कहा कि तमिलनाडु सरकार की ओर से मैं उन सभी सरकारी कर्मचारियों की सराहना करता हूं जो सरकारी योजनाओं में किसी को भी न चूकने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

भारत को नुकसान पहुंचाने की किसी भी कोशिश का निर्णायक जवाब दिया जाएगा : चंद्रबाबू नायडू

- आतंकवाद का मुकाबला करने में केंद्र सरकार के प्रयासों के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करने के लिए मुख्यमंत्री ने 25 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की थी।

एजेंसी

नयी दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को कहा कि भारत को नुकसान पहुंचाने की किसी भी कोशिश का कड़ा और निर्णायक जवाब दिया जाएगा। उनकी यह टिप्पणी जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पिछले हफ्ते की शुरूआत में हुए आतंकी हमले के जवाब में आई है, जिसमें आंध्र प्रदेश के दो व्यक्ति सहित 26 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। नायडू ने एक निजी कॉलेज के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, अगर कोई भारत में हस्तक्षेप करता है, तो उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिये जाएंगे। वे कुछ नहीं कर सकते। भले ही वह कोई आतंकवादी संगठन हो, वे इस देश को हिला नहीं सकते। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पहलगाम हमले जैसे बर्बर कृत्य भारत की ताकत के सामने सफल नहीं होंगे। नायडू ने भारतीयों के साहस को रेखांकित करते हुए, सभी से ऐसी चुनौतियों के मद्देनजर एकजुट होने का आग्रह किया और कहा कि राष्ट्र की रक्षा करने की शक्ति इसके लोगों में निहित है। आतंकवाद का मुकाबला करने में केंद्र सरकार के प्रयासों के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करने के लिए मुख्यमंत्री ने 25 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की थी।

सम्पादकीय

स्कूली शिक्षा का हिस्सा बने नाट्यशास्त्र, पाठ्यक्रम में शामिल करना जरूरी

कला शास्त्र में जो महत्व नाट्यशास्त्र का है वही वेदांत में बादरायण के ब्रह्म सूत्र न्याय में गौतम के न्याय सूत्र और योग शास्त्र में पतंजलि के योग सूत्र खगोल विज्ञान एवं गणित में आर्यभट्ट के आर्यभटीय और राजनीति विज्ञान में कौटिल्य के अर्थशास्त्र का है। ब्रह्मसूत्र के रचयिता बादरायण की यह स्थापना है कि आत्मा ही स्वयं परमात्मा है। यूनेस्को के विश्व स्मृतिकोष में श्रीमद्भगवद्गीता और नाट्यशास्त्र की पांडुलिपियों का दर्ज होना भारत की महान ज्ञान संपदा की अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति का प्रमाण है। यह विचार करने योग्य है कि भारत के शास्त्रीय ग्रंथ विश्व के स्मृतिकोष में तो संरक्षित हैं, किंतु स्वयं अपने देश में क्या स्थिति है? तथ्य है कि श्रीमद्भगवद्गीता औसत भारतीयों के स्मृतिकोष में दर्ज है, किंतु नाट्यशास्त्र नहीं। औसत भारतीयों ने नाट्यशास्त्र का नाम जरूर सुना है, किंतु उन्हें नहीं पता कि इस महान ग्रंथ में है क्या ?संस्कृत आलोचना शास्त्र का पहला ग्रंथ नाट्यशास्त्र है, जिसके प्रणेता भरतमुनि हैं। नाट्यशास्त्र का संपूर्ण हिंदी अनुवाद राधावल्लभ त्रिपाठी ने किया है। बाबू लाल शुक्ल शास्त्री ने भी नाट्यशास्त्र का अनुवाद किया है। इस महान ग्रंथ में ज्ञान का खजाना है। कोई ऐसा ज्ञान, शिल्प, विद्या, कला, योग या कर्म नहीं है, जो नाट्यशास्त्र में नहीं पाया जाता हो। तभी तो नाट्यशास्त्र को पांचवां वेद माना गया है। नाट्यशास्त्र में 15 बार नाट्यवेद शब्द का उपयोग नाट्य के पर्याय के लिए किया गया है ।नाट्यशास्त्र में 37 अध्याय हैं। पहले अध्याय में बताया गया है कि इस नाट्यवेद की रचना ऋग्वेद से पाठ्य, सामवेद से गीत, यजुर्वेद से अभिनय और अथर्ववेद से रस लेकर की गई। बाद के अध्यायों में यह वर्णन है कि नाट्यमंडप कैसे बनाया जाना चाहिए? नेपथ्य यानी मंच पार्श्व की विधि क्या है? पात्रों की वस्त्र सज्जा कैसी होनी चाहिए? अभिनय का क्रम कितने प्रकार का होता है ?अभिनय किस प्रकार किया जाता है? किस पात्र के लिए किस तरह की भूमिका होनी चाहिए? नाटक के नायक और नायिका के गुण क्या हैं? संगीत का विधान कैसे किया जाए? आदि इत्यादि। भरतमुनि के अनुसार नाटक के चार प्रमुख अवयव हैं-कथावस्तु, नायक और पात्र, रस तथा अभिनय। उनके अनुसार नाटक का प्रमुख उद्देश्य कथावस्तु का संगठन है। भरतमुनि रस सिद्धांत के प्रवर्तक हैं ।उन्होंने नाट्यशास्त्र के छठे अध्याय में रसों की संख्या आठ बताई है-शृंगार, हास्य, करुण, रौद्र, वीर, भयानक, वीभत्स और अद्भुत। जबकि 24वें अध्याय में शांत रस का उल्लेख है। इस तरह नौ रसों का उल्लेख मिलता है। भरतमुनि ने कहा है कि जैसे अनेक व्यंजनों और द्रव्यों से युक्त होने पर भोजन करने वाला अपने भोजन में एक विशेष स्वाद का अनुभव करता है, उसी प्रकार रसिक जन अनेक भावों के अभिनय से युक्त स्थायी भावों का आस्वादन करते हैं।

आज का विचार

मेष राशि: बिजनस और कारोबार के मामले में कल का दिन अच्छा रहेगा. लेकिन कल किसी अजनबी पर भरोसा न करें, नहीं तो आपको धोखा मिल सकता है. आप परिवार के सदस्यों के साथ किसी धार्मिक आयोजन में भाग ले सकते हैं.

वृषभ राशि: दिन वृषभ राशि के लिए काफी भागदौड़ भरा रहने वाला है. दिन भर किसी न किसी काम को लेकर आपके ऊपर मानसिक दबाव बना रहेगा. आप अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए सोच विचार में रहेंगे. बढता हुआ खर्च आपको उलझन में डालेगा.

मिथुन राशि: दिन मिथुन राशि के लिए संपत्ति लाभ का संकेत दे रहा है. किसी प्रॉपर्टी को खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आपकी बात बन सकती है. अगर आप किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने का प्लान बना रहे हैं तो उसे कुछ समय के लिए टाल दें तो बेहतर रहेगा. कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढेगा.

कर्क राशि: साझेदारी में कोई काम करने के लिए कल का दिन कर्क राशि के लिए अच्छा रहेगा, लेकिन जीवनसाथी का कोई काम आपके लिए सिरदर्द बन सकता है. बच्चों के साथ कल आप समय बिताएंगे. आप पिकनिक आदि पर जाने की योजना भी बना सकते हैं.

सिंह राशि: सिंह राशि के जातकों के लिए किसी धार्मिक यात्रा पर जाने का योग बन रहा है. परिवार में कोई शादी और मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है, जिससे आप उत्साहित रहेंगे.

कन्या राशि: कन्या राशि के लिए सामान्य रहने वाला है. आपको अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. आपको कल कुछ सामाजिक कार्यों में भाग लेना होगा. किसी जरूरतमंद व्यक्ति की आप मदद भी कर सकते हैं. आपको कोई महत्वपूर्ण सूचना और जानकारी भी कल मिल सकती है. आर्थिक मामलों में कल का दिन कन्या राशि के लिए उत्साहवर्धक रहेगा.

तुला राशि: सितारे बताते हैं कि आपका दिन कल उलझन वाला रहा सकता है. बिजनस में कल कुछ तकनीकी समस्या आने से आप परेशान हो सकते हैं.

वृश्चिक राशि: दिन वृश्चिक राशि के लिए खुशियों भरा रहेगा. आप किसी शुभ एवं मांगलिक कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं. साझेदारी के काम में आपको आज सफलता मिलेगी. छात्रों का प्रदर्शन बेहतर होगा. आपको कल कुछ नई चीज जानने और सीखने का मौका मिलेग.

धनु राशि: धनु राशि के लिए लिए मिलाजुला रहने वाला है. सामाजिक क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों की छवि और बेहतर होगी. बिजनेस करने वाले लोग कोई नया काम करने की योजना बना सकते हैं. माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो जाएगा. बच्चों की खुशी के लिए कल आप कुछ खरीदारी कर सके हैं या उन्हें गिफ्ट देंगे.

मकर राशि: जातकों के लिए कल का दिन मिलाजुला रहेगा. बिजनेस में लाभ पाने के लिए काफी परिश्रम करना होगा. दिन का दूसरा भाग कमाई के लिहाज से अच्छा रहेगा. विद्यार्थी किसी नए शोध में भाग ले सकते हैं और इनके ज्ञान में वृद्धि होगी. आपको किसी काम से छोटी दूरी की यात्रा पर जाना पड़ सकता है.

कुंभ राशि: सामाजिक क्षेत्रों में काम करने वाले कुंभ राशि के लोगों के लिए कल का दिन अच्छा रहने वाला है. आपको अपनी छवि बेहतर बनाने का मौका मिलेगा. सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े जातकों के प्रभाव में आज वृद्धि होगी.

मीन राशि : मीन राशि के लिए लिए मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा. अगर आप अपने बिजनेस और कामकाज में कोई बदलाव करने की सोच रहे थे तो आप कर सकते हैं. कोई नया काम शुरू करना आपके लिए कल का दिन अच्छा रहेगा. आपका मन पूजा-पाठ और आध्यात्मिक कार्यों की ओर बढ़ेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा. विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ कुछ प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

निर्णायक प्रतिकार का समय, पाकिस्तान को मिलना चाहिए पहलगाम हमला का करारा जवाब

> वर्ष 2000 के लालकिला हमले के दोषी पाकिस्तानी आतंकी आरिफ को वर्ष 2005 में फांसी सुनाई गई थी परंतु वह 24 साल बाद भी जीवित है। टीवी पर हिंदुओं की हत्या की बात स्वीकार करने वाला बिट्टा कराटे साक्ष्यों के अभाव में बरी हो गया और कश्मीरी प्रशासनिक अधिकारी से विवाह करके राजनीति में उतर गया। यह दशार्ता है कि घाटी में जिहाद की जड़ें कितनी गहरी हैं।

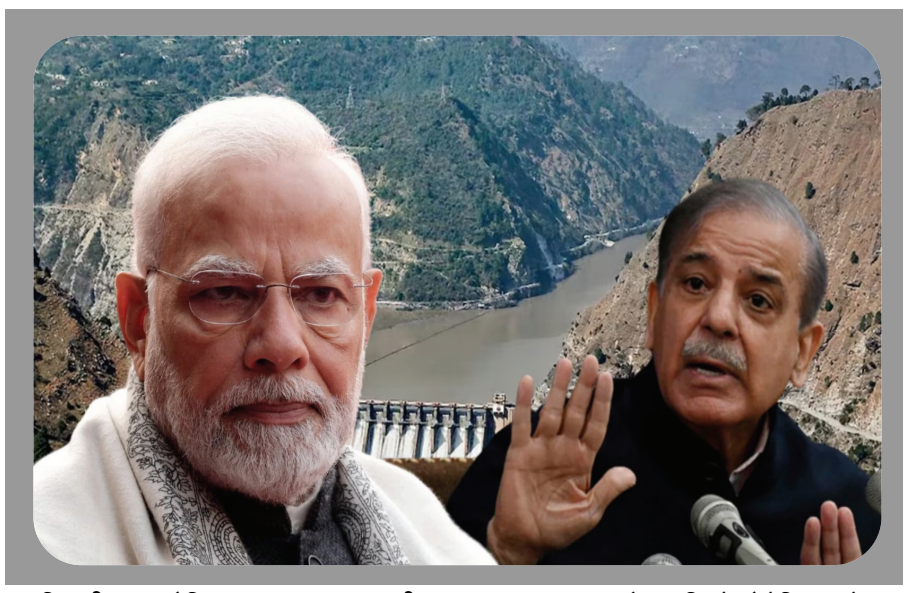

मैं पूरी दुनिया से कहता हूं, भारत हर एक आतंकवादी और उनके सरपरस्तों की पहचान करेगा, उन्हें खोजेगा और दंड देगा। उनका पीछा दुनिया के आखिरी कोने तक किया जाएगा...। यह हुंकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 24 अप्रैल को बिहार में एक कार्यक्रम के दौरान भरी। जब प्रधानमंत्री मोदी बिहार की भूमि से पाकिस्तान का नाम लिए बिना उसे चेतावनी दे रहे थे, उसी दौरान राजधानी दिल्ली में विदेश मंत्रालय अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस, इटली और कतर सहित 20 देशों के राजनयिकों को पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तानी संलिप्तता से अवगत करा रहा था ।निःसंदेह भारत हर पैमाने पर पाकिस्तान से पहले की तुलना में कहीं बेहतर स्थिति में है। आर्थिक रूप से जर्जर और आतंकवादियों का पनाहगार पाकिस्तान शायद ही अमेरिका की सहानुभूति प्राप्त कर सके। उसका एकमात्र सहयोगी और सदाबहार दोस्त चीन भी अमेरिका से टैरिफ-वार के चलते भारत से निकटता बढ़ा रहा है। ऐसे में आसार कम ही दिखते हैं कि टकराव की स्थिति में वह पाकिस्तान के पीछे खड़ा होगा ।भारत का अगला कदम क्या होगा, यह भविष्य के गर्भ में है। मूल प्रश्न यह है कि कुछ वर्षों की अपेक्षाकृत शांति के बाद कश्मीर में इतना भयावह आतंकी हमला क्यों हुआ कि पूरा देश गुस्से और सकते में आ गया? अनुच्छेद 370 और 35ए हटने के बाद दिखी शांति से यही भ्रम हुआ कि अभी सब ठीक है, तो आगे भी ऐसा ही रहेगा यानी घाटी में आतंक नहीं लौटेगा ।यह मानस इसलिए भी बना, क्योंकि हम जिहादी हमलों को तात्कालिक घटनाओं की तरह देखकर भूल जाते हैं कि इस आतंकवाद का मूलाधार सभ्यतागत द्वंद्व के साथ वह विषाक्त चिंतन है, जिसमें स्वयं को छोड़ शेष सभी को झूठा परिभाषित किया जाता है। इसके अनुचरों का मजहबी कर्तव्य होता है कि वे अपनी जान देकर या दूसरों की लेकर काफिरों को उनकी शरीया निर्धारित नियति तक पहुंचाएं ।आतंकवाद में दो कारक सबसे महत्वपूर्ण हैं। पहली विचारधारा, जिसमें दूसरे मजहब के अनुयायियों को मौत के घाट उतारने की प्रेरणा मिलती हो। दूसरा, उसे क्रियान्वित करने वाली आधारभूत संरचना। अगस्त 2019 के बाद सुरक्षा बलों ने घाटी में आतंकवाद के बुनियादी ढांचे को तो ध्वस्त कर दिया, परंतु जिहादियों को प्रेरित करने वाला काफिर-कुफ्र चिंतन अब भी असंख्य रक्तबीज पैदा कर रहा है ।इस्लाम के नाम पर जिन पांच गाजियों ने निरपराधों को मौत के घाट उतारा, उनमें से दो स्थानीय कश्मीरी हैं। खुफिया विभाग के अनुसार जिस क्षेत्र में यह आतंकी हमला हुआ वह निर्धारित समय (जून) से पहले और सुरक्षा बलों को सूचित किए बिना 20 अप्रैल को ही खोल दिया गया था। स्पष्ट है कि इस हमले में स्थानीय लोग भी शामिल हैं। ऐसे में आतंकवाद के खिलाफ सतत लड़ाई में विराम की कोई गुंजाइश बेमानी है ।क्या पहलगाम में आतंकियों का उद्देश्य केवल दहशत फैलाना था? यदि ऐसा होता तो वे पहले की तरह ही सुरक्षा बलों या प्रतिष्ठानों को निशाना बनाते, परंतु जिहादियों ने पर्यटकों को उनकी हिंदू पहचान सुनिश्चित करके गोली मारी। क्या जिहादी उसी चिंतन से प्रेरित नहीं, जिसका जिक्र हमले से कुछ दिन पहले पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने अपने एक जहरीले भाषण में किया था ।उसमें उन्होंने हिंदू-मुस्लिम विभाजन और द्विराष्ट्रवाद का राग छेड़ा था। कश्मीर में जो कुछ हुआ, वह इजरायल पर सात अक्टूबर 2023 के नृशंस आतंकी हमले की ही याद दिलाता है। हमले के दायरे को देखा जाए तो पहलगाम का हमला इजरायल की घटना से छोटा है, लेकिन दोनों में आतंकियों को प्रेरित करने वाली मानसिकता एक ही है। तब इजरायल ने त्वरित प्रतिकार करते हुए हमास एवं हिजबुल्ला जैसे कट्टर इस्लामिक आतंकी संगठनों के विरुद्ध निर्णायक युद्ध छेड़ दिया ।क्या भारत भी ऐसा प्रतिकार कर सकता है? प्रत्यक्ष युद्धों के साथ पाकिस्तान ने प्रत्यक्ष-परोक्ष आतंकवादी हमलों से भारत को कई घाव दिए हैं। 2016 और 2019 की सर्जिकल स्ट्राइक को छोड़कर भारत ने कभी जिहादी हमलों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई नहीं की। इसका कारण भारतीय राजनीति में मुस्लिम वोटबैंक की वह लालसा है, जिसके चलते स्वयंभू सेक्युलरों ने कभी जिहादियों को संरक्षण दिया, तो कभी पाकिस्तान को क्लीन चिट ।मुंबई में 26/11 आतंकी हमले में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने असली पाकिस्तानी गुनहगारों के बजाय फर्जी हिंदू आतंकवाद जुमला गढ़कर भाजपा-आरएसएस को दोषी ठहरा दिया। तब कांग्रेस के लिए यासीन मलिक वार्ता योग्य था, जो 1990 में चार वायुसेना अधिकारियों की नृशंस हत्या का आरोपित रहा। दरअसल लचर भारतीय न्याय व्यवस्था और प्रशासनिक कमजोरी ने भी आतंकवाद के खिलाफ भारतीय लड़ाई को क्षति पहुंचाई है ।वर्ष 2000 के लालकिला हमले के दोषी पाकिस्तानी आतंकी आरिफ को वर्ष 2005 में फांसी सुनाई गई थी, परंतु वह 24 साल बाद भी जीवित है। टीवी पर हिंदुओं की हत्या की बात स्वीकार करने वाला बिट्टा कराटे साक्ष्यों के अभाव में बरी हो गया और कश्मीरी प्रशासनिक अधिकारी से विवाह करके राजनीति में उतर गया। यह दशार्ता है कि घाटी में जिहाद की जड़ें कितनी गहरी हैं। सोचिए, बिट्टा और यासीन जैसे आतंकवादियों पर तीन दशक बाद कानूनी शिकंजा कसा है ।इस हालिया प्रकरण में यदि कुछ संतोषप्रद है तो वह स्थानीय कश्मीरियों की प्रतिक्रिया है। पिछली सदी के नौवें दशक में कश्मीर में जब ऐसी कोई घटना होती थी तो स्थानीय कश्मीरियों द्वारा विरोध तो दूर, वे इसका संज्ञान तक नहीं लेते थे। हालांकि अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद कश्मीर में बढ़ती समृद्धि और रोजगार के बढ़ते अवसरों ने उनकी मानसिकता को थोड़ा प्रभावित किया है ।इसी कारण कश्मीर का एक वर्ग हालिया आतंकवादी हमले का मुखर विरोध कर रहा है। इस बीच यह न भूला जाए कि पहलगाम हमला केवल एक आतंकी घटना नहीं, बल्कि सभ्यतागत संघर्ष की कड़ी है। जब तक जिहादी विचारधारा पर निर्णायक प्रहार नहीं होता, आतंकवाद का अंत असंभव है। भारत को अब निर्णायक और कठोर प्रतिकार करना ही होगा।

पारग्रही जीवन के संकेतों की तलाश में बड़ा कदम

विजय गर्ग

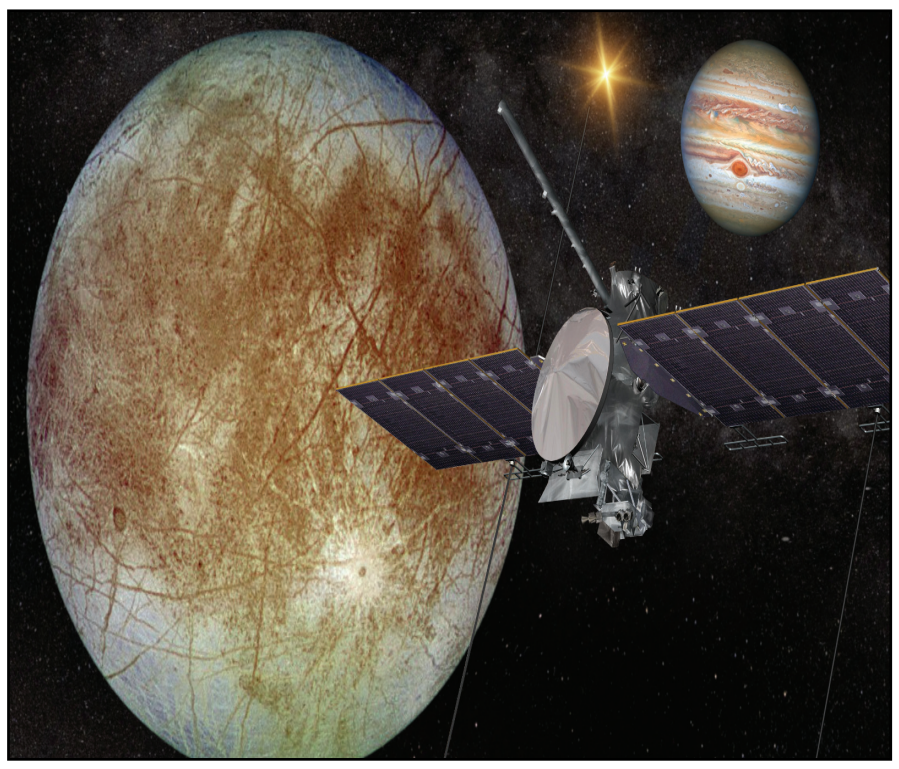

काफी समय से यह सवाल उठता रहा है कि क्या पृथ्वी के अलावा ब्रह्मांड के किसी दूसरे ग्रह पर जीवन मौजूद है? क्या किसी ग्रह पर एलियंस की मौजूदगी है-एलियंस का घर है? इन सवालों का जवाब जानने और नए-नए ग्रहों की खोज करने में हजारों वैज्ञानिक दिन-रात जुटे हुए हैं। मगर अब एक भारतीय वैज्ञानिक को अपनी खोज में ऐसी सफलता हाथ लगी है, जिसने पूरी दुनिया को चौंका दिया है।

भारतीय वैज्ञानिक डॉ. निक्कू मधुसूदन ने एक ऐसी खोज की है, जिससे दुनिया आश्चर्यचकित है। आईआईटी -बीएचयू और एमआईटी से पढ़े इस वैज्ञानिक ने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में अपनी टीम के साथ जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से 120 प्रकाश वर्ष दूर एक खास ग्रह के2-18बी (ड2-18) को देखा-परखा।

डॉ. मधुसूदन की खोज में इस ग्रह पर जीवन के पुख्ता संकेत मिले हैं। इनमें डाइमिथाइल सल्फाइड (डीएमएस) नाम का एक खास अणु मिला है जो पृथ्वी पर सिर्फ जीव बनाते हैं- जैसे समुद्री पौधे। वहां मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड जैसी गैसें भी हैं, जो बताती हैं कि ग्रह हाइसीन वर्ल्ड है- यानी ऐसा ग्रह, जहां ढेर सारा पानी और हाइड्रोजन भरा वातावरण हो, जो जीवन के लिए उपयुक्त हो सकता है।

डॉ. मधुसूदन ने ही सबसे पहले हाइसीन ग्रहों की बात दुनिया को बताई थी। उनकी खोज ह्यद एस्ट्रोफिजिकल जर्नलह्ल में छपी है और इसे अब तक का सबसे बड़ा जीवन का सबूत माना जा रहा है। यह खोज उस सवाल को भी हवा देती है कि अगर ब्रह्मांड में जीवन है, तो हमने अब तक एलियंस क्यों नहीं देखे? डॉ. मधुसूदन का जवाब है कि अगर इस ग्रह पर जीवन मिला, तो शायद हमारी आकाशगंगा में जीवन हर जगह हो!

डॉ. निक्कू मधुसूदन ने पहले के2-18बी ग्रह को खोजा , फिर रिसर्च में पता किया है कि इस ग्रह के वायुमंडल में हाइड्रोजन मौजूद है। इस ग्रह के वायुमंडल में भारी हाइड्रोजन पायी जाती है। रिसर्च के दौरान ये भी पता चला है कि इस ग्रह पर महासागर है। ऐसे में यहां जीवन की संभावना काफी है। बता दें कि यह ग्रह पृथ्वी से 120 लाइट इयर दूर यानी 1.13 ट्रिलियन किलोमीटर दूर है। तारा के2-18 हमारे सूरज की तुलना में छोटा और नया है। इसकी मोटाई सूरज की 45 फीसदी और आयु लगभग पौने तीन अरब साल है। ध्यान रहे, हमारे सूरज की उम्र का हिसाब पांच अरब साल के आसपास लगाया गया है। के2-18 की सतह का तापमान भी सूरज के आधे से थोड़ा ही ज्यादा है ।इसका तकनीकी नाम ब्राउन ड्वार्फ है लेकिन अभी हम 'लाल तारा' ही चलाते हैं।

इस तारे के इर्दगिर्द घूमने वाला भीतर से दूसरा ग्रह के2-18बी पृथ्वी से काफी बड़ा है। इसकी त्रिज्या पृथ्वी की ढाई-तीन गुनी है। इस हिसाब से इसका वजन पृथ्वी का 20-25 गुना होना चाहिए था, बशर्ते इसकी बनावट पृथ्वी जैसी ही होती। लेकिन वजन में यह पृथ्वी का साढ़े आठ से दस गुना ही है। इससे एक बात साफ है कि इसका घनत्व पृथ्वी से काफी कम है। ऐसा वहां लोहा कम होने के चलते भी हो सकता है और ग्रह में द्रव-गैस ज्यादा होने से भी ।एक अच्छी बात इस ग्रह के साथ यह है कि यह अपने तारे के गोल्डिलॉक जोन में पड़ता है। यानी पानी वहां द्रव अवस्था में मौजूद हो सकता है। ग्रह का औसत तापमान 23 डिग्री से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच होने का अनुमान लगाया गया है। यह खुद में एक आश्चर्यजनक बात ही है क्योंकि अपने तारे के इर्दगिर्द इसकी कक्षा हमारे सौरमंडल में बुध ग्रह की तुलना में आधी से भी छोटी है। डॉ. मधुसूदन के अनुसार समुद्र की सबसे आम वनस्पति और समुद्री खाद्य शृंखला की बुनियाद समझे जाने वाले फाइटोप्लैंक्टन द्वारा उत्सर्जित कुछ गैसें पृथ्वी के वातावरण में जिस अनुपात में पाई जाती है, ड2-18बी पर इनकी उपस्थिति उसकी कम से कम हजार गुना प्रेक्षित की गई है। तो क्या एक सुदूर तारे के इर्दगिर्द घूम रही इस दुनिया में समुद्रों की भरमार है, जहां समुद्री जीवन की नींव के रूप में फाइटोप्लैंक्टन की फसलें लहलहा रही हैं?

बता दें कि भारत में 1980 में जन्मे, डॉ. मधुसूदन ने वाराणसी स्थित आईआईटी, बीएचयू से बीटेक की डिग्री हासिल की। बाद में उन्होंने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से मास्टर डिग्री के साथ-साथ पीएचडी भी की। साल 2009 में उनकी पीएचडी थीसिस हमारे सौर मंडल के बाहर के ग्रहों के वायुमंडल का अध्ययन करने के बारे में थी, जिन्हें एक्स्ट्रासोलर ग्रह कहा जाता है।

कुल मिलाकर अब वैज्ञानिकों की नजर इस ग्रह पर आ टिकी है। इस ग्रह पर गहरा शोध किया जा रहा है। माना जा रहा है कि आने वाले समय में जैसे-जैसे इस ग्रह के रहस्य से पर्दा उठेगा, कई हैरान कर देने वाले खुलासे वैज्ञानिक कर सकते हैं।

न भूलें और न ही माफ करें, मानवता को कलंकित करने वाली बर्बर घटना

पहलगाम में पाकिस्तान पोषित आतंकियों की ओर से जिस तरह पर्यटकों से उनका मजहब पूछकर हत्या की गई, वह मानवता को कलंकित करने वाली ऐसी बर्बर घटना है, जिसकी मिसाल मुश्किल से मिलती है। जिहादी आतंकियों ने पहले भी तमाम घटनाओं को अंजाम दिया है, पर कम से कम भारत में यह पहली बार है, जब लोगों का मजहब पता कर हत्या की गई हो। साफ है आतंकी मजहबी उन्माद से प्रेरित थे। आतंकियों की ओर से इस तरह हत्या करने का एक मकसद भारत में हिंदू-मुस्लिम खाई पैदा करना भी था। यह अच्छा है कि उनके और पाकिस्तान के इस मकसद को पूरा न होने देने के लिए भारत के लोगों ने कमर कस ली है। मुस्लिम समाज ने पहलगाम की घटना का जिस तरह विरोध किया, काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ी और कहा कि इस घटना ने इस्लाम को बदनाम किया है, वह स्वागतयोग्य है। देश में आगे भी सद्भाव बना रहे, यह देखना सभी समुदायों की जिम्मेदारी है। पहलगाम की घटना उन चुनिंदा आतंकी घटनाओं जैसी है, जिसने दुनिया का आतंक के प्रति सोच बदला। पाकिस्तान से आए आतंकियों ने स्थानीय आतंकियों से मिलकर इस घटना को अंजाम इसलिए भी दिया, ताकि यह दिखा सकें कि कश्मीर का माहौल बदला नहीं और वहां शांति नहीं लौट रही है। पाकिस्तान को कश्मीर में सामान्य होती स्थितियां रास नहीं आईं और उसने पहलगाम हमले की साजिश रची। पाकिस्तान से आतंकी कश्मीर में घुसने की कोशिश करते ही रहते हैं। कुछ पकड़े जाते हैं, कुछ मारे जाते हैं और कुछ कश्मीर के आतंकियों से मिलकर आतंक को बढ़ावा देते हैं। यह सिलसिला इसलिए रुक नहीं रहा, क्योंकि कश्मीर में अब भी कुछ लोग ऐसे हैं, जो जिहादी मानसिकता से ग्रस्त हैं और इस मुगालते में हैं कि वे पाकिस्तान की मदद से आतंक के सहारे कश्मीर को मजहब के नाम पर आजाद करा लेंगे। इसीलिए वे आतंक की राह पर चलते रहते हैं। इसके लिए पाकिस्तान उन्हें उकसाता ही नहीं है, हथियार और प्रशिक्षण देने के साथ हर तरह की मदद भी देता है। इन मुट्ठी भर लोगों की पहचान तब संभव है, जब कश्मीर की जनता उनके खिलाफ खुलकर खड़ी हो। पहलगाम की घटना के बाद अनेक लोग खड़े हुए, लेकिन यह भी एक तथ्य है कि पर्यटकों पर कहर बरपाने वाले आतंकी छिपने में सफल रहे। आखिर किसी ने तो उनकी मदद की होगी। कश्मीर में स्थितियां सामान्य हो रही हैं, यह संदेश भारत सरकार लगातार देश-दुनिया को दे रही थी। इसके लिए वहां जी-20 सम्मेलन से जुड़े कार्यक्रम और विधानसभा चुनाव कराए गए, पर कश्मीर में सब कुछ सामान्य नहीं था। वहां आतंकियों और उनके समर्थकों की गतिविधियां जारी थीं। इसी कारण वहां आतंकी घटनाएं हो रही थीं, जिनमें सेना को भी निशाना बनाया जा रहा था। इन घटनाओं की तह तक जाने की जरूरत थी। पहलगाम की घटना इस ओर संकेत करती है कि कश्मीर में कुछ ऐसे आतंकी तत्व भी शांति के पक्ष में होने का दिखावा करने लगे थे, जिन्हें आर्थिक लाभ के चलते पर्यटकों के आने से तो कोई परेशानी नहीं थी, लेकिन वे भारत से बैर करना और आतंकियों का साथ देना नहीं छोड़ रहे थे। ऐसे सभी तत्वों की पहचान और धरपकड़ पर प्राथमिकता से ध्यान दिया जाना आवश्यक था। आतंकी घटनाओं में कमी के बाद भी आतंक के प्रत्येक समर्थक की चुन-चुन कर कमर तोड़ी जानी चाहिए थी, ताकि वे पाकिस्तानी आतंकियों से मिलकर कोई कारनामा न कर पाते। पहलगाम की घटना के बाद इस प्रश्न का जवाब भी मिलना चाहिए कि आखिर पहलगाम में जहां पर रोज दो-ढाई हजार पर्यटक पहुंच रहे थे, वहां पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं किए गए? पहलगाम के पहले कश्मीर में पाकिस्तान प्रायोजित जो आतंकी घटनाएं हुईं

आतंकियों के पास इतना समय नहीं कि धर्म पूछकर गोली मारें, पहलगाम हमले पर कांग्रेस MLA विजय वडट्टीवार का सवाल

- कांग्रेस नेता का बड़ा बयान, सरकार को लेनी चाहिए जिम्मेदारी
- आतंकियों का कोई मजहब नहीं, कार्रवाई होनी चाहिए
- सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल, इंटेलिजेंस का क्या हुआ?

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , नागपुर : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुई आतंकी घटना पर कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि आतंकियों के पास इतना समय नहीं कि वह धर्म पूछकर मारे। सोमवार को मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि पहलगाम में जो आतंकी घटना हुई इसकी जिम्मेदारी तो सरकार को लेनी चाहिए। 26 पर्यटकों की जान गई। वहां पर सुरक्षा की व्यवस्था क्यों नहीं थी? आतंकी घुस कर पर्यटकों को मार देते हैं। इसे लेकर खुफिया विभाग क्या कर रहा था। यह सब सरकार की विफलता है। इन सब चीजों पर सरकार बात नहीं करती है। अगर उन्हें बात करनी है तो सिर्फ यह कि धर्म पूछकर आतंकियों ने पर्यटकों को मारा।कांग्रेस नेता ने कहा कि आतंकियों के पास इतना समय कहां होता है कि वह मारने वाले के कान में जाकर पूछे कि तुम हिन्दू हो या फिर मुसलमान? इस पूरे मामले में कई बातें हैं, लोग अलग-अलग बातें बता रहे हैं। भिन्न-भिन्न प्रकार की बातें हो रही हैं।

महाराष्ट्र में पाकिस्तानी नागरिकों के मुद्दे पर एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस के अलग-अलग सुर

- उपमुख्यमंत्री शिंदे ने 107 पाकिस्तानी नागरिकों के लापता होने की पुष्टि की
- महाराष्ट्र में 5000 पाकिस्तानी नागरिकों का होना बताया गया है

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

फडणवीस ने पाकिस्तानी नागरिकों के लापता होने की खबर को गलत बताया

पुणे : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार पाकिस्तानी नागरिकों को ढूंढने में नाकाम रही है, यह खबर गलत है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पाकिस्तान से आए हर व्यक्ति की वापसी का इंतजाम कर दिया है। फडणवीस ने लोगों से गलत जानकारी शेयर न करने की अपील की। वे पुणे में 'पुणे अर्बन डायलॉग' कार्यक्रम में बोल रहे थे।फडणवीस ने कहा, 'खबरें चल रही हैं कि महाराष्ट्र के 107 पाकिस्तानी नागरिक लापता हैं। मैं, राज्य का गृह मंत्री होने के नाते, यह साफ करना चाहता हूं कि राज्य में कोई भी पाकिस्तानी नागरिक लापता नहीं है। हर व्यक्ति को ढूंढ लिया गया है, और हमने उन्हें वापस भेजने का इंतजाम कर दिया है। उनमें से कोई भी यहां नहीं रहेगा। उनकी वापसी की प्रक्रिया सोमवार सुबह तक पूरी हो जाएगी।'

विदेशी नागरिक तब लापता घोषित किए जाते हैं जब वे पुलिस कमिश्नरेट के तहत विदेशी नागरिक पंजीकरण कार्यालय में रिपोर्ट नहीं करते हैं और कार्यालय उनसे संपर्क नहीं कर पाता है। इसे सरल भाषा में ऐसे समझिये कि अगर कोई विदेशी नागरिक अपने इलाके के पुलिस स्टेशन में जाकर अपनी जानकारी नहीं देता है, तो उसे लापता माना जा सकता है।देवेंद्र फडणवीस के बोलने के कुछ ही घंटों बाद, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुलढाणा में एक रैली में चौंकाने वाला बयान दिया। उन्होंने कहा कि वीजा लेकर राज्य में आए 107 पाकिस्तानी नागरिक लापता हैं। शिंदे ने कहा, 'मोदीजी और अमित शाह दोनों ने पाकिस्तानी नागरिकों को हमारा देश छोड़ने के लिए कहा है, और यह एक ऐसा आदेश है जो हर भारतीय अपने दिल से चाहता था। महाराष्ट्र में 107 पाकिस्तानी नागरिक लापता हैं। मैं उन्हें चेतावनी देता हूं कि वे अपने देश लौट जाएं। नहीं तो, पुलिस उन्हें ढूंढ निकालेगी। लोग गुस्से में हैं।'महाराष्ट्र में 5000 पाकिस्तानीराज्य के गृह मामलों के मंत्री योगेश कदम ने शनिवार को पुणे में पत्रकारों को बताया कि महाराष्ट्र में लगभग 5,000 पाकिस्तानी नागरिक हैं। इनमें लगभग 2,800 लोग लॉन्ग टर्म वीजा पर हैं, जिन पर विदेश मंत्रालय के जारी किए गए नियमों का कोई असर नहीं होगा।

फास्ट ट्रैक

पहलगाम अटैक पर बुलाई सर्वदलीय बैठक में अमित शाह-राजनाथ सिंह के रोल की शरद पवार ने की तारीफ

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (एनसीपी-एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने रविवार को सर्वदलीय बैठक की तारीफ की। पवार ने दावा किया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 22 अप्रैल के पहलगाम हमले पर चर्चा के लिए बुलाई गयी सर्वदलीय बैठक के दौरान परिपक्व दृष्टिकोण अपनाया और स्वीकार किया था कि सरकार की ओर से कुछ खामी रही।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

पुणेः राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (एनसीपी-एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने रविवार को सर्वदलीय बैठक की तारीफ की। पवार ने दावा किया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 22 अप्रैल के पहलगाम हमले पर चर्चा के लिए बुलाई गयी सर्वदलीय बैठक के दौरान परिपक्व दृष्टिकोण अपनाया और स्वीकार किया था कि सरकार की ओर से कुछ खामी रही। शाह और सिंह ने पहलगाम हमले पर चर्चा के लिए 24 अप्रैल को एक सर्वदलीय बैठक में हिस्सा लिया था। सरकार की ओर से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस जयशंकर भी बैठक में मौजूद थेसर्वदलीय बैठक में सुप्रिया सुले ने लिया था हिस्साशरद पवार ने कहा कि केंद्र सरकार ने हाल में पहलगाम हमले पर सभी दलों के नेताओं की बैठक बुलाई थी। इसमें लोकसभा में एनसीपी (एसपी) की नेता सुप्रिया सुले ने हिस्सा लिया था। पवार ने कहा कि एक बात ने मुझे संतुष्टि का एहसास कराया। सत्ता पर काबिज नेताओं ने, चाहे वह देश के रक्षा मंत्री हों या गृह मंत्री, बहुत परिपक्व रुख अपनाया और स्वीकार किया कि कहीं न कहीं ह्यहमारीह्न (सरकार की) ओर से खामी रही है।जीवन में विश्वास का माहौल कैसे बने?इस बात पर जोर देते हुए कि (हमले से संबंधित) कुछ सवालों पर ध्यान देने की जरूरत है, पवार ने कहा कि अगर उन्होंने इसे एक कमी के रूप में स्वीकार कर लिया है, तो आज इस पर बहस करने का समय नहीं है। पवार ने यहां सासवड में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस समय सभी के सामने प्राथमिकता यह है कि जिन लोगों पर हमला हुआ है उनके जीवन में विश्वास का माहौल कैसे बनाया जाए।कश्मीर में अपने कई दोस्तों को फोन कियाउन्होंने कहा कि हमले के बाद उन्होंने कश्मीर में अपने कई दोस्तों को फोन किया और उन्हें आश्वस्त किया कि इस स्थिति में वे अकेले नहीं हैं। पवार ने कहा कि हमले के अगले ही दिन हजारों कश्मीरी, चाहे वे हिंदू हों या मुस्लिम, हालांकि उनमें से ज्यादातर मुसलमान थे, हमले और आतंकवाद की निंदा करने के लिए घाटी में सड़कों पर उतर आए। पवार ने कहा कि उन्होंने दृढ़तापूर्वक घोषणा की कि हम सभी एकजुट हैं।

ठाणे, कलवा, मुंब्रा, दिवा हर तरफ पानी की परेशानी, अवैध निर्माण- कनेक्शन और टैंकर माफिया से लोगों का जीना मुहाल

- ठाणे में पानी की कमी से लोग टैंकरों पर निर्भर
- अधिकारियों पर पानी माफिया से मिलीभगत के आरोप

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे : मुंबई के करीब ही बसा ठाणे शहर पिछले कुछ सालों में ऐसे बदला है कि अब वह मुंबई से पीछे नहीं है। बढ़ती आबादी और आवास योजनाओं के चलते ठाणे शहर में जलापूर्ति योजना पर बहुत भार पड़ा है। शहर के कई हिस्सों में लोगों को पीने का पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं हो रहा है। लोगों को टैंकर के भरोसे रहना पड़ रहा है। 5,645 करोड़ रुपये के भारी भरकम बजट वाले 147 वर्ग किलोमीटर में फैले ठाणे मनपा क्षेत्र में अवैध निर्माण, कचरा, ट्रैफिक जाम के साथ ही पानी की कमी बड़ी समस्या है।मनपा क्षेत्र में ठाणे शहर, कलवा, मुंब्रा, दिवा और शिलफाटा का समावेश है। इसमें पॉश, रिहायशी इलाकों सहित आदिवासी पाड़ा, ग्रामीण इलाके, झोपड़पट्टी, पहाड़ी परिसर सभी का समावेश है।कई स्थानों पर एक दिन और कहीं 2 से 3 दिनों में पानी आता है। तमाम भागों में कम प्रेशर से जलापूर्ति की शिकायत हमेशा बनी हुई है। पानी चोरी, रिसाव और अन्य कारणों के चलते प्रतिदिन मिलने वाले पानी में 15 से 20% की कमी बनी रहती है।मनपा की स्थापना को 43 साल, नहीं है खुद का डैमठाणे मनपा के पास खुद का पानी का जलाशय नहीं है। 1 अक्टूबर 1982 को मनपा अस्तित्व में आई। उसके बाद से डैम को लेकर मशक्कत शुरू है, लेकिन आज तक डैम नहीं बन पाया है।मिलता है प्रतिदिन 585 एमएलडी पानीवर्तमान में ठाणे शहर की जनसंख्या लगभग 27 लाख है। मनपा क्षेत्र में प्रतिदिन 585 एमएलडी पानी की आपूर्ति होती है। जबकि 616 एमएलडी कोटा स्वीकृत है। इसमें ठाणे मनपा की खुद की जलापूर्ति योजना से 250, एमआईडीसी से 135, स्टेम प्राधिकरण से 115 और मुंबई मनपा से 85 एमएलडी पानी प्रतिदिन मिलता है। साल 2055 तक की जनसंख्या के मद्देनजर प्रतिदिन 1116 एमएलडी पानी की मांग का अंदाजा अभी से लगाया गया है।घोडबंदर रोड है अधिक प्रभावितबड़े बिल्डरों की नजर अक्सर ठाणे पर पड़ी है। पिछले कुछ साल में शहर का घोड़बंदर रोड नए ठाणे के रूप में विकसित हुआ है। बड़े-बड़े रिहायशी कॉम्प्लेक्स, गगनचुंबी इमारतें यहां बनी। बड़ी संख्या में अभी भी निर्माण कार्य जारी है। घोड़बंदर रोड पर मानपाडा के आगे कासरवडवली, ओवला, आनंदनगर, भायंदरपाड़ा इत्यादि परिसर पानी की किल्लत से जूझ रहा है। कई कॉम्प्लेक्स में प्रतिदिन 8 से 12 टैंकर पानी मंगाना पड़ता है। इन पर 7 से 9 लाख प्रति माह टैंकर के पानी के खर्च के एवज में अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।मनपा करती है कार्रवाई, फिर भी होती है चोरीठाणे मनपा क्षेत्र में मनपा अधिकारियों की पानी माफिया और टैंकर माफिया के साथ मिलीभगत के आरोप लगातार लगते हैं। मनपा क्षेत्र में वैसे तो सभी तरफ अवैध निर्माण का जाल बिछा है।

पहलगाम में 26 मौतें फिर भी दुश्मन से हमदर्दी! सड़क पर चिपकाए पाकिस्तान झंडे उखाड़ने पर महाराष्ट्र में तीन अरेस्ट

- महाराष्ट्र के पालघर में पाकिस्तान के झंडे को लेकर विवाद
- विरोध के तौर पर लगे झंडों को सड़क से हटाने का आरोप
- मामले के तूल पकड़ने पर पुलिस ने तीन युवको किया अरेस्ट

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः मुंबई से सटे महाराष्ट्र के पालघर जिले में पाकिस्तान के झंडे को लेकर विवाद सामने आया है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद नालासोपारा में विरोध के तौर पर पाकिस्तान के झंडों को सड़क पर चिपकाया गया था। तभी कुछ मुस्लिम युवक आए और झंडे हटाने लगे। इसको लेकर वहां पर विवाद हो गया। पुलिस ने तीन के खिलाफ केस दर्ज किया है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान के लिए हमदर्दी दिखाने पर नालासोपारा में तनाव की स्थिति है। पुलिस ने पुलिस स्टेशन में तीन युवकों के खिलाफ केस दर्ज करके उन्हें गिरफ़्तार किया है। कोर्ट 30 अप्रैल तक पुलिस कस्टडी में भेजा गया है। 25 अप्रैल को क्या हुआ?पालघर नालासोपारा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक नालासोपारा पश्चिम विशाल वाल्वी ने बताया कि 25 अप्रैल को पहलगाम की घटना को लेकर प्रदर्शन हो रहा था, उसी दौरान दो समूहों में झड़प हुए। मामले में एफआईआर दर्ज. करके 3 लोगों को गिरफ़्तार किया है। उन्हें 30 अप्रैल तक पुलिस कस्टडी में भेजा गया है। जांच जारी है। महेंद्र कुमार माली का आरोप है कि पहलगाम आतंकी हमले का विरोध करने के लिए 25 अप्रैल की शाम को नालासोपारा पश्चिम स्थित अपनी इमारत दीप हाइट्स के सामने सड़क के दोनों ओर पाकिस्तानी राष्ट्रीय ध्वज चिपका दिया था। कुछ देर बाद तीन युवक वहां आए और सड़क पर लगा झंडा हटा दिया।पाकिस्तान का किया समर्थन आरोप है कि एक युवक ने आपत्ति जताते हुए कहा कि यह झंडा मुस्लिम समुदाय का है। महेंद्र कुमार माली ने स्पष्ट किया कि यह झंडा पाकिस्तान का है। इसे आतंकवादी हमले के विरोध में लगाया गया था। हालांकि, आरोप है कि तीनों ने महेंद्र माली से बहस की उन्हें गालियां दीं और पाकिस्तान के समर्थन में बातें भी कीं हैं। महेंद्र कुमार माली की शिकायत के आधार पर नालासोपारा पुलिस स्टेशन में उस्मान गनी इकबाल सैयद, तौशीद आजाद शेख और अदनान अफसर शेख के खिलाफ भारतीय दंड संहिता 2023 की धारा 152, 352, 351 (2) के तहत केस दर्ज किया गया है। इन तीनों पर आरोप लगाया गया कि यह घटना भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को कमजोर करने का प्रयास था।

मुंबई के ईडी दफ्तर में भीषण आग, कुछ ही देर में सब जलकर राख, बल्लार्ड एस्टेट की कैसर ए हिंद बिल्डिंग में है ऑफिस

मुंबई : महाराष्ट्र से एक बड़ी खबर आ रही है। मुंबई के बल्लार्ड एस्टेट में के ऑफिस में तड़के आग लग गई। अच्छी बात ये है कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। एऊ का ऑफिस कैसर-ए-हिंद बिल्डिंग में है। ये बिल्डिंग करीमभाई रोड पर ग्रैंड होटल के पास है। अधिकारियों के अनुसार, आग सुबह लगभग 2.30 बजे पांच मंजिला इमारत की चौथी मंजिल पर लगी। फायर ब्रिगेड को आग लगने की सूचना तुरंत मिली।फायर ब्रिगेड और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे। सुबह 3.30 बजे तक आग पर काबू पाया गया। फायर ब्रिगेड विभाग ने इस आग को लेवल-कक की आग घोषित कर दिया गया। फायर ब्रिगेड कंट्रोल रूम ने बताया कि लेवल-कक की आग को आमतौर पर बड़ी आग माना जाता है।12 दमकल की गाड़ियां पहुंचींअच्छी की बात है कि उस समय ऑफिस में कोई नहीं था। इसलिए, किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि कुल 12 फायर फाइटिंग मशीनें मौके पर भेजी गईं। एक अधिकारी ने बताया कि आठ फायर इंजन, छह जंबो टैंकर, एक एरियल वाटर टावर टेंडर, एक ब्रीदिंग अपेरटस वैन, एक रेस्क्यू वैन, एक क्विक रिस्पांस व्हीकल और 108 सर्विस की एक एम्बुलेंस मौके पर भेजी गई।

ऑपरेशन अमानतः यात्रियों की सुरक्षा में आरपीएफ का सराहनीय कदम

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

जबलपुर । भारतीय रेलवे में यात्रियों की सुरक्षा और उनके सामान की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल ने ऑपरेशन अमानत अभियान का शुभारंभ किया है। यह अभियान खासतौर पर यात्रा के दौरान खोए हुए सामान की तलाश और उसे सही मालिक तक पहुँचाने के उद्देश्य से चलाया गया है। इसी कड़ी में रेल सुरक्षा बल, पश्चिम मध्?य रेल द्वारा इस अभियान के तहत वर्ष 2025, में 24 अप्रैल तक 276 यात्रियों के खोए हुए सामान किमत 49 लाख 07 हजार 294 रुपए बरामद कर वापस लौटाया गया हैं।

मुख्य पहलः-

1) समानों की सूचीबद्धता और प्रबंधनः- रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में खोए हुए सामान को सही तरीके से दर्ज किया जाता है। रेल सुरक्षा बल, पश्चिम मध्य रेल ने वर्ष 2025 में 24 अप्रैल तक लगभग 276 यात्रियों के खोए हुए सामान किमत 49,07,294 रुपए बरामद किया है, जिनमें बैग, लैपटॉप, मोबाइल फोन, घड़ियाँ और अन्य मूल्यवान सामान उनके मालिकों तक पहुँचाया है।

2) सुरक्षित वापसीः- खोए हुए सामान को उसके असली मालिक तक सुरक्षित रूप से पहुँचाने के लिए एक सुव्यवस्थित प्रणाली बनाई गई है। यात्रियों को उनकी खोई हुई वस्तु की जानकारी दी जाती है, और उन्हें सामान को प्राप्त करने के लिए स्टेशन पर बुलाया जाता है।

3) जन जागरूकताः- यात्रियों को उनके सामान के खोने से बचने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

ऑपरेशन अमानतअभियान से आरपीएफ यह सुनिश्चित कर रहा है कि यात्रियों का खोया हुआ सामान सुरक्षित रूप से वापस उन्हें मिल सके और रेलवे यात्रा के अनुभव को और अधिक सुरक्षित और भरोसेमंद बनाया जा सके।

पुलिस और स्वाट टीम की चोरों से मुठभेड़

नलकूप उपकरण चोर गिरोह के दो सदस्य घायल, चोरी का सामान बरामद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बागपत, सिंघावली अहीर थाना क्षेत्र में पुलिस और स्वाट टीम ने मुठभेड़ के बाद नलकूप उपकरण चोर गिरोह के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। डोला नहर पटरी पर हुई इस कार्रवाई में दोनों बदमाश घायल हो गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गाजियाबाद निवासी दिलशाद उर्फ मोनू और बागपत निवासी आस मोहम्मद उर्फ कल्लू के रूप में हुई है। दिलशाद पर विभिन्न थाना क्षेत्रों में 9 मुकदमे और आस मोहम्मद पर 4 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो बाइक सवार किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को मुठभेड़ के बाद पकड़ लिया। आरोपियों के पास से दो तमंचे, दो जिंदा कारतूस, दिल्ली से चोरी की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल और 35 किलो एल्यूमीनियम का तार बरामद हुआ है। पुलिस ने 26 अप्रैल को सिंघावली थाना क्षेत्र में राजवीर की ट्यूबवेल से हुई चोरी और 27 अप्रैल को सराय के माता मोहल्ले में हुई लाइट चोरी का भी खुलासा कर दिया है। डोला चौकी प्रभारी प्रियव्रत के अनुसार, घायल आरोपियों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है और मामले की जांच जारी है।

न्यायालय के आदेश पर थाना चोला में शराब नष्ट

बुलंदशहर, थाना चोला पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर 60 मुकदमों से संबंधित 1820 लीटर शराब को नष्ट किया।

पश्चिम रेलवे-अहमदाबाद

4थी लाईन एवं इंटरसेक्शन सं.1 का निर्माण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए उप मुख्य अभियंता (निर्माण)-।।, पश्चिम रेलवे, अहमदाबाद निम्नानुसार कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित करते है : **ई-निविदा सूचना सं. डेप्यु.सीईसी।।एडीआई-जीईआर-एसएयु-02 (दो पैकेट) (1) कार्य का नाम उसके स्थान सहित:** पश्चिम रेलवे पर अहमदाबाद मण्डल के बारेजडी नांदेज (GER) - साणंद तक - 38.20 कि.मी. (अहमदाबाद बाईपास) 4थी लाईन के कार्य के सम्बन्ध में तमाम सिविल इंजीनियरींग कार्य (अर्थात अर्थ कार्य, ब्लेंकेटींग, साईड ड्रेन्स, रिटेईनींग वॉल, ट्रॉली रेफ्युजीस, सभी मुख्य / छोटे पुलों, RUBs/LHSs का निर्माण, (बिछाने का एवं जोडने का) संपूर्ण ट्रेक कार्य), ट्रेक का टेम्पींग, LWRs का डिस्ट्रेसींग, पी.वे सामग्री का परिवहन, 50 mm मशीन क्रश्ड स्टोन बलास्ट की आपूर्ति करने के और फैलाने के एवं अन्य सिविल इंजीनियरींग कार्य समाविष्ट करने सहित बारेजडी नांदेज (गेरतपुर) - सरखेज तक (CH:0 से CH:21) तक 4थी लाईन का और बाकरोल से सरखेज तक इंटरसेक्शन सं. 1 का निर्माण (दो पैकेट)। **(2) कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 242,05,48,407.97 **(3) जमा कराने की बयाना राशी:** ₹ 100,00,000.00 **(4) निविदा प्रपत्र शुल्क:** नि:शुल्क **(5) कार्य की समापन अवधि:** 24 माह (चौबीस माह) मॉनसुन सहित **(6) बीड जमा करने की तारीख एवं समय:** दिनांक: 19/05/2025 को 15:00 बजे **(7) वेबसाईट विवरण नोटीस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा का संपूर्ण विवरण देख सकते है एवं कार्यालय का पता: वेबसाईट:** www.ireps.gov.in उप मुख्य अभियंता (निर्माण) ।। का कार्यालय, पश्चिम रेलवे, द्वितीय तल, 'C' विंग, निर्माण भवन, डीआरएम कार्यालय के पास, असारवा, अहमदाबाद-382 345

CPM-001

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: X x.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य - प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल - मुंबई - 400 008

कार्य - मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर मीडिया के जरिये विज्ञापनों का प्रदर्शन

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी का आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVT-25-6	07.05.2025 को 15.00.00 बजे

अ. क्र.	लॉट क्र.	स्थान /एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	ADVT-BCT-MRU-OH-407-25-1 (Advertising - Out of Home)	माटुंगा रोड पर 120 वर्गफीट के डिसप्ले एरिया के साथ 10 फीट ऊंचाई x 6 फीट चौड़ाई आयाम के 02 नये एलसीडी /एलईडी यूनिपोल स्ट्रक्चर्स के उत्थापन के जरिए विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	1826	07-05-25 15:30:00
2	ADVT-BCT-MM-OH-406-25-1 (Advertising - Out of Home)	माहिम में 480 वर्गफीट के डिसप्ले एरिया के साथ 10 फीट ऊंचाई x 6 फीट चौड़ाई आयाम के 08 नये एलसीडी /एलईडी यूनिपोल स्ट्रक्चर्स के उत्थापन के जरिए विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	1826	07-05-25 15:40:00
3	ADVT-BCT-BA-OH-412-25-1 (Advertising - Out of Home)	सीमा दीवार के बांद्रा पश्चिम रेलवे कॉलोनी पश्चिमी तरफ में 480 वर्गफीट के डिसप्ले एरिया के साथ 10 फीट ऊंचाई x 6 फीट चौड़ाई आयाम के 05 नये एलसीडी /एलईडी यूनिपोल स्ट्रक्चर्स के उत्थापन के जरिए विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	1826	07-05-25 15:50:00
4	ADVT-BCT-DDR-OH-408-25-1 (Advertising - Out of Home)	दादर में 240 वर्गफीट के डिसप्ले एरिया के साथ 10 फीट ऊंचाई x 6 फीट चौड़ाई आयाम के 04 नये एलसीडी /एलईडी यूनिपोल स्ट्रक्चर्स के उत्थापन के जरिए विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	1826	07-05-25 16:00:00
5	ADVT-BCT-ST-OH-411-25-1 (Advertising - Out of Home)	सहारा दरवाजा के पास, सड़क उन्मुख सीमा दीवार पर सूरत स्टेशन पर 240 वर्गफीट के डिसप्ले एरिया के साथ 6 फीट ऊंचाई x 4 फीट चौड़ाई आयाम के 10 नये ग्लो साइन यूनिपोल स्ट्रक्चर्स के उत्थापन के जरिए विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	1826	07-05-25 16:10:00

नीलामी पुस्तिका क्र.	नीलामी का आरंभ (सभी लॉट्स)
MMCT-ADVT-25-7	08.05.2025 को 15.00.00 बजे

अ.क्र.	लॉट क्र.	स्थान /एरिया	दिवस	ई-नीलामी बंद होने की तिथि एवं समय
1	ADVT-BCT-PL-OH-409-25-1 (Advertising - Out of Home)	लोअर परेल में 180 वर्गफीट के डिसप्ले एरिया के साथ 10 फीट ऊंचाई x 6 फीट चौड़ाई आयाम के 03 नये एलसीडी /एलईडी यूनिपोल स्ट्रक्चर्स के उत्थापन के जरिए विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु थोक विज्ञापन अधिकार.	1826	08-05-25 15:30:00

टिप्पणी : संभावी बोलीकर्ताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट (**www.ireps.gov.in**) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल का अवलोकन करें. लॉट अनुसार विवरण निर्दिष्ट पुस्तिका अंतर्गत उपलब्ध है.

0078

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

महाराष्ट्र शासन

कार्यकारी अभियंता, सेंट्रल मुंबई विद्युत विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, सावली बिल्डिंग, गणपत जाधव मार्ग, वर्ली, मुंबई-18

ई-मेल : elcentralmumbai.ee@mahapwd.gov.in,

दूरभाष क्रमांक : 022-24924349

ई-निविदा सूचना क्र. 04/2025-26 (1ला बुलावा)

कार्यकारी अभियंता, सेंट्रल मुंबई विद्युत विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वर्ली, मुंबई द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए विद्युत अनुज्ञप्ति धारक ठेकेदारों से "बी-1" प्रपत्र में ऑनलाइन प्रतिशत दरों की निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। बी-1 ई-निविदा दस्तावेज महाराष्ट्र शासन के सार्वजनिक निर्माण विभाग के ई-निविदा पोर्टल **http://mahatenders.gov.in** से डाउनलोड किए जा सकते हैं. कार्यकारी अभियंता, सीएमईडी, वर्ली, मुंबई को किसी भी निविदा को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है. शर्तों सहित निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी.

अ. क्र.	कार्य का नाम	निविदा राशि	निविदा राशि (शब्दों में)
1	W15639/2024-25 पोदार सेक्शन, वर्ली विद्युत उपमंडल, वर्ली, मुंबई-400018 अंतर्गत प्रशासनिक, आवासीय एवं गैर-चिकित्सालय भवनों में विद्युत प्रतिष्ठान के अनुरक्षण हेतु 3 वायरमैन एवं 3 मजदूर की सेवाएं किराए पर उपलब्ध कराना	853632/-	आठ लाख तिरपन हजार छह सौ बत्तीस मात्र
2	H35046/2024-25 ट्रैफिक ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, भायखला, मुंबई के प्रशासनिक भवन में ग्राउंड+4 मंजिलों हेतु 8 यात्रियों की क्षमता वाले लिफ्ट क्रमांक 1 व 2 के पूर्ण समग्र अनुरक्षण एवं सेवा कार्य	1395240/-	तेरह लाख पंचानबे हजार दो सौ चालीस मात्र
3	H35047/2024-25 भायखला जेल परिसर, भायखला, मुंबई में प्रगति भवन में ग्राउंड+7 मंजिलों हेतु 6 यात्रियों की क्षमता वाले लिफ्ट क्रमांक 1 व 2 के पूर्ण समग्र अनुरक्षण एवं सेवा कार्य	1395240/-	तेरह लाख पंचानबे हजार दो सौ चालीस मात्र
4	H35048/2024-25 पुलिस प्रशिक्षण केंद्र, भायखला, मुंबई के हॉस्टल भवन में ग्राउंड+8 मंजिलों हेतु 10 यात्रियों की क्षमता वाले लिफ्ट क्रमांक 1 व 2 के पूर्ण समग्र अनुरक्षण एवं सेवा कार्य	1395240/-	तेरह लाख पंचानबे हजार दो सौ चालीस मात्र
5	H25060/2024-25 सर जे.जे. ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स, भायखला, मुंबई के प्रशासनिक भवन में लिफ्ट क्रमांक 1, 2 (10 यात्रियों की क्षमता, जी+7 मंजिलें) एवं लिफ्ट क्रमांक 3 (13 यात्रियों की क्षमता, जी+7 मंजिलें) के पूर्ण समग्र अनुरक्षण एवं सेवा कार्य (3 लिफ्ट्स हेतु 3 वर्ष की अवधि)	2103396/-	इक्कीस लाख तीन हजार तीनसौ छियानबे मात्र
6	W21033/2024-25 वर्ली, मुंबई स्थित बीडीडी चाल क्र. 3 में पुराने एवं क्षतिग्रस्त स्विचगियर, पैसेज लाइट, स्ट्रीट लाइट, मीटर बॉक्स, सेवा केबल आदि की मरम्मत कार्य	1069460/-	दस लाख उनहत्तर हजार चार सौ साठ मात्र
7	W21028/2024-25 वर्ली, मुंबई स्थित बीडीडी चाल क्र. 2 में पुराने एवं क्षतिग्रस्त स्विचगियर, पैसेज लाइट, स्ट्रीट लाइट, सेवा केबल, टॉयलेट ब्लॉक आदि की मरम्मत कार्य	1004580/-	दस लाख चार हजार पांच सौ अस्सी मात्र
8	D16010/2024-25 एमजीएम हॉस्पिटल कैंपस, परेल, मुंबई-12 में नर्सेस हॉस्टल व कॉलेज, पीजी भवन एवं पीजी ऑफिसर क्वार्टर, ईएसआईसी लोकल ऑफिस, आवासीय इमारतें (भवन क्रमांक 1, भवन क्रमांक 3 डी, भवन क्रमांक 3 (पुराना), भवन क्रमांक 4, भवन क्रमांक 5, भवन क्रमांक 30) एवं परिसर में विद्युत अधिष्ठापनों तथा कॉम्प्लेक्स आउटडोर लाइटिंग, दैनिक पंप संचालन एवं अनुरक्षण की वार्षिक मरम्मत, अनुरक्षण एवं संचालन सेवा प्रदान करना.	9838220/-	अट्ठानबे लाख अडतीस हजार दो सौ बीस मात्र

1. ठेकेदार को जीएसटी छोड़कर मूल्य उद्धृत करना होगा. 18% तक जीएसटी अतिरिक्त अदा करना होगा.
2. डाउनलोड/बिक्री अवधि : 29.04.2025 से 06.05.2025 को सायं. 05.30 बजे तक
3. बोली खुलने की तिथि : 08.05.2025 को सुबह 11.00 बजे के पश्चात

ईई/सीएमईडी/टीसी/1547/2025

दिनांक : 24.04.2025

हस्ता./-
कार्यकारी अभियंता
सेंट्रल मंबई विद्युत डिवीजन,
पी. डब्ल्यू. डी. वर्ली, मुंबई

डीजीआयपीआर/2025-2026/410

पहलगांव की आतंकी घटना के बाद ब्राह्मण समाज ने परशुराम जन्मोत्सव के सभी कार्यक्रमों को किया रद्द

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , जय परशुराम सेना , गॉड ब्राह्मण संस्था, समस्त ब्राह्मण समाज, भगवान श्री परशुराम प्रकाट्योउत्सव समिति उल्हासनगर आदि संस्थाओं द्वारा वर्षों से भगवान परशुराम जन्मोत्सव मनाया जाता रहा है परंतु कश्मीर के पहलगांव में हुई आतंकी घटना के चलते इस वर्ष जन्मोत्सव के सभी कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए हैं ।इस घटना को कड़ी निंदा करते हुए सभी संस्थाओं ने इस आशय का सामूहिक निर्णय लिया है। गौरतलब है कि वर्षों पहले जय परशुराम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा ने भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम की जयंती अक्षय तृतीया को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग की थी।जिसके बाद राजस्थान से सार्वजनिक अवकाश की शुरूआत हुई है। ओमप्रकाश शर्मा और उनके छोटे भाई स्वर्गीय एड बी एल शर्मा ने भगवान परशुराम जयंती का बड़े पैमाने पर आयोजन कर जनजागरण किया जिसका परिणाम आज देश के कोने कोने , छोटे बड़े शहरों गांवों में भगवान परशुराम जयंती का आयोजन किया जाने लगा है। भयंदर के जैसलमेर मैदान में आयोजित भगवान परशुराम जयंती महोत्सव को ऐतिहासिक पहचान मिली। इस आतंकी घटना में 28 लोगों की मृत्यु हुई है जबकि एक दर्जन से अधिक पर्यटक घायल हुए हैं। पूरे देश के साथ ब्राह्मण समाज इस दुखद घटना की भरसक निंदा करता है एवं सभी मृतक परिवारों के साथ अपनी गहन संवेदना व्यक्त करते है। उपरोक्त संस्थाओं के संस्थापक एवं अध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा , विश्वनाथ जोशी , बालमुकुंद मिश्रा, पवन शर्मा, अरुण गोड, ओपी जोशी, श्याम किशोर शर्मा, आदि ब्रह्म समाज के प्रमुख लोगों ने सामूहिक रूप से आतंकी घटना की निंदा की है और मृतकों को श्रद्धांजलि दी है। साथ में सामूहिक रूप से निर्णय लिया गया कि इस बार हम भगवान परशुराम जन्मोत्सव को मानसिक रूप से पुष्पांजलि समर्पित करके पूजन करेंगे। सार्वजनिक महोत्सव के रूप में आयोजित किए जाने वाले सभी कार्यक्रमों को इस वर्ष स्थगित किया जा रहा है।

एसटी कॉर्पोरेशन का आर्थिक श्वेतपत्र तैयार किया जाए - प्रताप सरनाईक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , एसटी कॉरपोरेशन की वित्तीय स्थिति और भविष्य की योजनाओं को समझने के लिए एक आर्थिक श्वेत पत्र तैयार किया जाना चाहिए। यह निर्देश परिवहन मंत्री एवं एसटी महामंडल के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक को एस.टी. प्रशासन को दिया है। वे आज एसटी मुख्यालय में आयोजित बैठक में बोल रहे थे।एसटी कॉर्पोरेशन के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. माधव कुसेकर, वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी गिरीश देशमुख तथा सभी विभागों के प्रमुख उपस्थित थे। उन्होंने आगे कहा कि 10,000 करोड़ रुपये का संचित घाटा झेल रही एसटी कॉर्पोरेशन को कर्मचारियों के वेतन, वाहन खरीद, टायर खरीद, ईंधन खरीद, स्टेशन नवीनीकरण और अन्य स्थापना खर्चों के लिए दैनिक वित्तीय कार्य करना पड़ता है।निगम को कर्मचारी बकाया, भविष्य निधि की किश्तों और श्रम अनुबंधों के तहत लंबित भुगतान के लिए धन की आवश्यकता है। साथ ही, निगम को ईंधन, माल और सेवाओं के आपूर्तिकताओं से ईंधन, माल और सेवाओं के बकाया जैसे सभी कारकों पर विचार करने के बाद एसटी निगम की वर्तमान आय क्या है? इसकी कीमत कितनी होती है?इसके अलावा कितने भुगतान बकाया हैं। मंत्री सरनाईक ने कहा कि इन सबका हिसाब देने के लिए श्वेत पत्र जारी करना और इससे आर्थिक अनुशासन बनाना जरूरी है। जैसा कि हाल ही में संपन्न बजट सत्र में मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया था, अतिरिक्त मुख्य सचिव (परिवहन) को सूचित किया जाएगा कि 1310 बसों को पट्टे पर देने के पूरे मामले की निष्पक्ष व्यक्ति द्वारा जांच की जाएगी। धर्मवीर आनंद दिघे के नाम पर एक ₹कैशलेस मेडिक्लेम₹ योजना शुरू की जानी चाहिए, जहां कर्नाटक परिवहन निगम के आधार पर सभी कर्मचारियों को एक ही छत के नीचे चिकित्सा सेवाएं मिलेंगी। मंत्री प्रताप सरनाईक ने एसटी प्रशासन को ये निर्देश दिए। मंत्री प्रताप सरनाईक ने बैठक में बताया कि एसटी प्रशासन की दक्षता बढ़ाने के लिए संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञों की सलाह बहुत महत्वपूर्ण है और एसटी महामंडल के अधिकारियों और प्रशासन को मार्गदर्शन देने के लिए ऐसे विशेषज्ञों की नियुक्ति की जानी चाहिए। तदनुसार, निर्माण, परिवहन, श्रम, आर्थिक और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के लिए पांच-पांच विशेषज्ञों की नियुक्ति की जाएगी।

फास्ट ट्रैक

पहलगाम आतंकी हमले में शहीदों को शिव परिवार ने रक्तदान शिविर में दी श्रद्धांजलि

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु शिव परिवार और शिवशांति प्रतिष्ठान द्वारा एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिव परिवार के संस्थापक एडवोकेट विनय कुमार सिंह की अगुआई हुए शिविर लोगों रक्तदान किया।एडवोकेट विनय कुमार सिंह ने भावुक शब्दों में कहा, ₹शिव परिवार और शिवशांति प्रतिष्ठान शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। रक्तदान एक महान कार्य है, जिसे हर स्वस्थ व्यक्ति को हर तीन महीने में अवश्य करना चाहिए। मजदूर वर्ग, रिक्शा चालक, बढ़ई जैसे अनेक वर्गों में रक्तदान को लेकर मिथक फैले हुए हैं कि रक्तदान से कमजोरी आती है, लेकिन यह पूरी तरह गलत है। रक्तदान से न केवल स्वयं का स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि किसी जरूरतमंद का जीवन भी बचाया जा सकता है ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ठाणे सिविल अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार ने कहा कि रक्त न तो किसी फैक्ट्री में बनता है, न किसी कंपनी में। इंसान को ही इंसान के लिए रक्तदान करना पड़ता है। यह मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। रक्तदान शिविर में कई गणमान्य अतिथियों ने भी भाग लिया, जिनमें शिव परिवार प्रमुख पंडित राम मिलन शुक्ला, डॉ. अजय सिंह, संस्कार क्लासेस की संचालिका श्रीमती लक्ष्मी मौर्या, प्रधानाचार्य श्रीमती मनीषा सिंह, प्रधानाध्यापक कुंवर राकेश सिंह तोमर, प्रसिद्ध भोजपुरी गायक सोनू सिंह सुरीला, एडवोकेट शिक्षा संस्कार, समाजसेवक श्री राकेश देवरे, श्री सूरज उपाध्याय, श्री आशीष सिंह, श्री तरुण सिंह तथा श्री लोगी ठाकुर सहित बड़ी संख्या में अन्य मान्यवर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य शहीदों को श्रद्धांजलि देना था, और समाज में रक्तदान के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना भी था। उपस्थित सभी लोगों ने मिलकर रक्तदान कर मानवता की सेवा का संकल्प लिया।

सोमवार को पहलगाम घटना के विरोध में अंबरनाथ बंद रहा सफल

पहलगाम घटना के विरोध में सभी का साथ व सहयोग मिलने से अंबरनाथ बंद पूर्ण सफल रहा –एडवोकेट कृष्णा रसाल पाटिल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ.जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार 22 अप्रैल को आतंकवादियों की गोलियों के शिकार हुए निर्दोष भारतीय पर्यटकों की शहादत को सम्मान देने और आतंकवादी घटना के विरोध के लिए अंबरनाथ ब्लॉक कांग्रेस द्वारा किया गया सोमवार को अंबरनाथ बंद सफल रहा। दोपहर 3 बजे तक बंद प्रभावी रहा। अंबरनाथ ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष एडवोकेट कृष्णा रसाल पाटिल ने अंबरनाथ बंद के विषय में कहा कि कहा कि यह बंद प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सतपाल और जिला अध्यक्ष दयानंद चोरघे के मार्गदर्शन और आदेशानुसार किया गया था। इस बंद में सर्व सामाजिक संगठनों,रिक्शा यूनियनों,होटल एसोसिएशन,हॉकर्स यूनियन,लेबर फ्रंट,अंबरनाथ व्यापारिक एसोसिएशन और आम जनता के पूर्ण सहयोग से कांग्रेस द्वारा आयोजित अंबरनाथ बंद सफल रहा। नरेंद्र मोदी सिर्फ चुनावी राजनीति करते है।2014 से सत्ता में हैं फिर भी पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को भारत वापस नहीं का पाए है। पहलगाम में इतना बड़ा सुरक्षा में चूक का मामला कैसे हो गया।क्या ये सरकार की असफलता नहीं है। पहलगाम घटना का जिम्मेदार जो भी है उन्हें तत्काल सजा दी जाए।पहलगाम घटना के बाद भी मोदी बिहार के चुनाव प्रचार में चले गए। बंद को सफल कराने में अंबरनाथ ब्लॉक कांग्रेस कार्यकारिणी के सदस्यों रोहित प्रजापति, अनीता प्रजापति, राजेंद्र मिश्रा, के गोपाल राय, गनी पीरजादे आदि पूर्ण सहयोग दिया।

न्यू इंग्लिश स्कूल शताब्दी महोत्सव और अंग्रेजी माध्यम प्राथमिक विद्यालय के स्वर्ण जयंती पर विविध कार्यक्रम घोषित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , ठाणे की पीपुल्स एजुकेशन सोसाइटी का न्यू इंग्लिश स्कूल और जूनियर कॉलेज 15 जून को अपनी 100वीं वर्षगांठ मना रहा है, इंग्लिश मीडियम प्राइमरी स्कूल, कोपरी, ठाणे पूर्व जून 2025 में अपना 50वां वर्ष शुरू कर रहा है। शताब्दी और स्वर्ण जयंती वर्ष को सार्थक बनाने के लिए पूरे वर्ष विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, यह आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की गई। इस शताब्दी महोत्सव विद्यालय की भव्य गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की योजना एवं मार्गदर्शन संस्थान के कार्यकारी निदेशक अल्हड़ जोशी, शताब्दी महोत्सव समिति की प्रमुख श्रीमती करंदीकर एवं संस्था के सभी पदाधिकारियों द्वारा किया गया है। इस योजना में स्कूलों के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों ने भाग लिया है। इंग्लिश मीडियम प्राइमरी स्कूल, कोपरी, ठाणे पूर्व जून में अपना 50वां वर्ष शुरू कर रहा है।इस स्कूल की स्वर्ण जयंती बड़ी धूमधाम से मनाने की योजना है। स्कूल की स्वर्ण जयंती का उद्घाटन समारोह 18 जून को आयोजित किया गया। न्यू इंग्लिश स्कूल का शताब्दी समारोह 15 जून 2025 को न्यू इंग्लिश स्कूल में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों, सभी सेवानिवृत्त शिक्षकों, संगठन के सभी पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। शताब्दी महोत्सव का उद्घाटन पीपुल्स एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष द्वारा स्कूल प्रांगण में किया जाएगा। इसके बाद भव्य प्रभातफेरी (रैली) निकाली जाएगी। मुख्य कार्यक्रम एवं स्वागत समारोह भोले ऑडिटोरियम में होगा। जून माह से सामाजिक, शैक्षिक, बौद्धिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। 23 अंतर-विद्यालयी एवं संस्थानिक स्कूल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई हैं।जून में 100 गरीब छात्रों को यूनिफॉर्म और शैक्षिक सामग्री का वितरण किया जाएगा। जुलाई में 100 पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने की योजना है। अगस्त में विद्यार्थियों द्वारा 500 रक्षासूत्र बनाकर सैनिकों को भेजे जाएंगे। सितम्बर में छात्रों के लिए स्वास्थ्य शिविर के आयोजन जैसी उपयोगी सामाजिक गतिविधियां पूरे वर्ष भर क्रियान्वित की जाएंगी।

हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई सभी एक गुलदस्ते के फूल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , रजत जयंती समारोह में विधायक अबु आसिम आजमी ने कहा कि हमारा देश फूलों का एक गुलदस्ता है,जिसमें हिंदू,मुस्लिम, सिख, ईसाई, पारसी, जैन, बौद्ध सभी मिलजुल कर सम्मान पुर्वक रहते है। यह हक हमें संविधान ने दिया है। उन्होंने कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों द्वारा किये गए निर्दोष पर्यटकों की हत्या पर संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि पाकिस्तान आतंकियों की आड में हमारे देश में धर्म युद्ध फैलाना चाहता है,पर उसके मंसूबे कभी सफल नहीं होंगे। हम सब एक हैं। कार्यक्रम के अंत में दो मिनट का मौन रख कर दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। मुलुंड की सामाजिक,सांस्कृतिक व धार्मिक संस्था ₹उत्तर भारतीय संगम₹ के स्थापना के 25 वर्ष पुर्ण होने पर रजत जयंती समारोह का आयोजन जी.एस.शेट्टी सेंट्रल हॉल,मुलुंड में किया गया है। समारोह की अध्यक्षता रमाशंकर तिवारी एवं संचालन डॉ.बाबूलाल सिंह ने किया। कार्यक्रम में रिजवान भाई(महासचिव उ.प्र.समाजवादी पार्टी) कांग्रेस नेता डॉ.आर.आर.सिंह,दयाशंकर सिंह,डॉ.सचिन सिंह, समाजसेवी के.एन.सिंह,बीरेन्द्र पाठक, डॉ.आर. एम.पाल,डॉ.राममूर्ति वर्मा,अरूण दीक्षित,अजय आर.सिंह,बबिता गुप्ता,मैना तिवारी,पुष्पा साक्री उपस्थित रहे। सुप्रसिद्ध लोकगीत गायक राजकुमार यदुवंशी, भरत यादव ने गीत संगीत का कार्यक्रम प्रस्तुत किया। सह संयोजक अब्दुलजे.खान, बृजनाथ यादव,दीनानाथ यादव, अभयराज यादव,अनिल यादव, के.डी.यादव,अनिरुद्ध दूबे ने सभी अतिथियों का गमछा एवं पुष्पगुच्छ देकर अतिथियों का स्वागत किया।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट का मामला

- आरोपियों के समर्थन में थाने में हंगामा करने वाले कई हिरासत में, शिकायत दर्ज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, क्षेत्र में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट का मामला सामने आया है। गुनारा गांव के दो युवकों ने सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट शेयर की। पोस्ट के बाद दूसरे पक्ष में आक्रोश फैल गया। विरोध के बाद पुलिस ने दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया। थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। इसके बाद आरोपी युवकों के परिवार ग्रामीणों के साथ सोमवार को थाने पहुंच गए। परिवार और समर्थकों ने थाने में जमकर हंगामा किया। पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान दूसरे पक्ष से भी कहासुनी हुई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने थाने के बाहर हंगामा कर रहे लोगों को खदेड़ दिया। सीओ जलालाबाद अमित चौरसिया ने बताया कि आपत्तिजनक पोस्ट के मामले में कार्रवाई की गई है। हंगामा करने वाले कुछ लोगों को भी हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच जारी है।

आई.ए.पी.बी. 2030 इन साइट लाइव वैश्विक शिखर सम्मेलन 29 अप्रैल से 1 मई के मध्य काठमांडू नेपाल में आयोजित होगा ।

बदलापुर के साकिब गोरे इसमें शामिल होकर देवाभाऊ सीरीज का चश्मा पेश करेंगे ।

- नेत्रज्योति से संबंधित इस वैश्विक शिखर सम्मेलन में 76 देशों के 700 संगठन सहभाग करेंगे ।
- साकिब गोरे ने इस कार्य के लिए स्थानीय आमदार किसन कथोरे के योगदान और मार्गदर्शन को श्रेय दिया ।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बदलापुर. स्थानीय आमदार किसन कथोरे के मार्गदर्शन में बदलापुर के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता साकिब गोरे विगत 34 वर्षों से अंधत्व निवारण और मोतियाबिंद की चिकित्सा के लिए जमीनी स्तर पर सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं। अभी हाल ही में विजन फ्रेंड संस्था प्रमुख साकिब गोरे ने आमदार किसन कथोरे के मार्गदर्शन से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस देवाभाऊ के नाम से सस्ते दरों वाले चश्मे की सीरीज बनाई है जिसे वे 29 अप्रैल से 1 मई के मध्य काठमांडू नेपाल में आयोजित होने वाली आई.ए.पी.बी. 2030 इन साइट लाइव वैश्विक शिखर सम्मेलन में प्रस्तुत करेंगे।

साकिब गोरे ने राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यों से प्रेरित होकर ही देवाभाऊ सीरीज के चश्मों को बनाया है। इन चश्मों की कीमत 33 रुपए से 260 रुपए तक है जबकि यही चश्मे बाजार में 300 से लेकर 800 रुपए के मूल्य में बाजार के मिलते हैं। साकिब गोरे के इस अभियान और सस्ते दरों पर चश्मे उपलब्ध कराने की मुहीम को आगे बढ़ाने के लिए अंधपन निवारण के लिए वैश्विक स्तर पर कार्य करने वाली संस्था आईएपीबी तथा डब्ल्यूएचओ ने साकिब गोरे के कार्य को मान्यता देते हुए उन्हें नेपाल के काठमांडू में आयोजित होने वाले वैश्विक शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया है। इस शिखर सम्मेलन में 76 देशों के लगभग 700 संगठन भाग लेंगे। साकिब गोरे इस शिखर सम्मेलन में 'देवाभाऊ' चश्मे को दुनिया के समक्ष सबसे सस्ते चश्मे के विकल्प के रूप में पेश करेंगे। सम्मेलन के अंतिम दिन 1 मई को आईएपीबी और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा सबसे सस्ते चश्मे का चयन किया जाएगा। देखने वाली बात यह है कि साकिब गोरे के इस प्रयास को यदि स्वीकृति और उनके चश्मे का चयन होता है तो ये बदलापुर और संपूर्ण महाराष्ट्र के साथ साथ भारत देश की उपलब्धि होगी। यदि ऐसा होता है तो दीनहीन गरीब और असहाय वर्गों के लोगों को आंखों की रौशनी प्राप्त करने में एक क्रांतिकारी कदम होगा। साकिब गोरे अपने इस अभियान में स्थानीय आमदार किसन कथोरे के सहयोग और मार्गदर्शन से अब तक 1700 गांवों के 26 लाख लोगों की निःशुल्क नेत्रों की जांच कर चुके हैं और उनके अभियान द्वारा 17 लाख चश्मे भी अभी तक वितरित किए गए हैं।

डॉ.बालाजी किणीकर ने नपा मुख्याधिकारी के साथ विकास कार्यों पर चर्चा की और लोकल बोर्ड स्कूल का निरीक्षण किया

लोकल बोर्ड स्कूल के निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करते हुए शिक्षण कार्य प्रारंभ करने पर बल- अब्दुल भाई शेख

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. स्थानीय स्तर पर चल रहे विकास कार्यों को लेकर अंबरनाथ नगरपालिका परिषद में सोमवार को नपा मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड और स्थानीय आमदार डॉ.बालाजी किणीकर, पूर्व नगराध्यक्ष सुनील चौधरी, पूर्व उप नगराध्यक्ष अब्दुल भाई शेख, पूर्व नगरसेवक सुभाष सालुंके आदि के मध्य एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में अंबरनाथ में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों पर चर्चा की गई और चल रहे कार्यों का निरीक्षण भी किया गया। इस बैठक में अब्दुल भाई शेख ने अंबरनाथ पूर्व स्थित बॉम्बे होटल के निकट रास्ता और पश्चिम में रेलवे स्टेशन से शास्त्री नगर होते हुए मटका चौक तक जाने वाले डीपी रास्ते का कार्य शीघ्र से शीघ्र प्रारंभ करने पर बल दिया इसके साथ ही छत्रपति शिवाजी भाजी मार्केट के रीडिवेलपमेंट की भी चर्चा की गई। आमदार डॉ.बालाजी किणीकर ने अपने सभी सहयोगियों के साथ अंबरनाथ पश्चिम स्थित लोकल बोर्ड स्कूल के नव निर्मित इमारत का भी निरीक्षण किया और उसमें चल रहे कार्यों की प्रशंसा भी है। लोकल बोर्ड स्कूल के निर्माण को जल्द से जल्द पूर्ण करके शिक्षण कार्य प्रारंभ करने पर बल दिया गया।

पीएम-आवास योजना से मिले रुपयों से हो रहा था मकान-निमाण

दबंगों ने की तोड़फोड़, बहन से मारपीट; पुलिस नहीं उठाती कॉल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, थाना सदर बाजार क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बना रही महिला के साथ दबंगों ने बदसलूकी की है। तारीन जलालनगर मोहल्ले की रहने वाली बेबी शबाना के मकान में रविवार को निर्माण कार्य शुरू हुआ था। पड़ोस का एक व्यक्ति अपने रिश्तेदार के साथ बेलचा लेकर पहुंच गया। दबंगों ने गाली-गलौज करते हुए निर्माण स्थल पर तोड़फोड़ शुरू कर दी। वहां रखी ईंटें इधर-उधर फेंक दीं। आरोपी ने निर्माण में लगाए गए पिलर को अपनी तरफ खींच लिया। पीड़िता का आरोप है कि इससे पहले भी आरोपी उसके भाई को रास्ते से हटने की धमकी दे रहा था। मौके पर मौजूद पीड़िता की बहन के साथ भी मारपीट की गई। स्थानीय लोग तमाशबीन बने रहे। पीड़िता ने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को बुलाया, जिसके बाद आरोपी शांत हुए। पूरी घटना का वीडियो भी बनाया गया है, जिसमें आरोपी तोड़फोड़ और गाली-गलौज करते दिख रहे हैं। पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। हालांकि, सदर इंस्पेक्टर समेत पुलिस के अन्य अधिकारी फोन नहीं उठा रहे हैं।

फर्जी व्यवस्था अधिकारी बनकर अफसरों को धमकाता था

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, पुलिस ने मुख्यमंत्री का फर्जी व्यवस्था अधिकारी बनकर अधिकारियों पर दबाव बनाने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। फरुर्खाबाद के अमृतपुर थाना क्षेत्र के अमईयांपुर पूर्वी गांव निवासी राहुल भारती को पीडब्ल्यूडी क्षेत्र रेलवे पुल के पास से पकड़ा गया। मामला तब सामने आया जब आरोपी ने शाहजहांपुर के एसपी के पीआरओ को फोन कर खुद को मुख्यमंत्री का व्यवस्था अधिकारी बताते हुए एक प्रकरण में दबाव बनाया। संदेह होने पर पीआरओ ने एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के पास से दो मोबाइल फोन और एक पहचान पत्र बरामद किया है। पहचान पत्र पर 'मनोज मिश्रा व्यवस्था अधिकारी मुख्यमंत्री' लिखा हुआ था।

इसके अलावा विजिटिंग कार्ड और एक न्यूज कवरेज आईडी भी मिली है।

भारत संवाद परिवार

1–संरक्षक–भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2–संरक्षक–भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3–संरक्षक–भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4–कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5–उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6–प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

फ्रांस-स्पेन-पुर्तगाल में बिजली गुल

एयरपोर्ट-मेट्रो बंद, मोबाइल नेटवर्क ठप, यूरोप के इलेक्ट्रिकल ग्रिड में खराबी; लाखों लोगों पर असर

एजेंसी

मैड्रिड/लिस्बन/पेरिस, यूरोपीय देश स्पेन, पुर्तगाल और फ्रांस में सोमवार को भारतीय समयानुसार शाम 4 बजे बिजली गुल हो गई है। इससे तीनों देशों के मेट्रो, एयरपोर्ट, रेल और मोबाइल नेटवर्क ठप हो गए हैं। इस ब्लैकआउट से लाखों लोग बिना बिजली के रहने पर मजबूर है। यूरोन्यूज पुर्तगाल के मुताबिक, पुर्तगाल और स्पेन की राजधानियों में कई मेट्रो ट्रेन स्टेशन के बीच सुरंगों में फंस गई हैं। लोग इन मेट्रो में फंसे हुए हैं। पुर्तगाल पुलिस ने पुष्टि की है कि ट्रेनों का संचालन बंद है, पोर्टो और लिस्बन दोनों शहरों में मेट्रो सेवाएं बंद कर दी गई हैं और पूरे देश में ट्रैफिक सिग्नल भी प्रभावित हुए हैं। स्पेन में पावर रिस्टोर होने में 10 घंटे लग सकते हैं स्पेन के बिजली ग्रिड के प्रमुख ने कहा है कि पावर रिस्टोर होने में 10 घंटे तक का समय लग सकता है।रेड इलेक्ट्रिका के सीईओ एदुआर्डो प्रिएटोएक प्रेस

कॉन्फ्रेंस में रिपोर्टर्स से कहा कि इस समस्या को हल करने के लिए

ब्लैकआउट की संभावित वजहें-

- यूरोप की इलेक्ट्रिक ग्रिड में खराबी इस ब्लैकआउट की वजह हो सकती है।
- फ्रांस के दक्षिण-पश्चिम में अलारिक माउंटेन पर आग लग गई है। इससे पेरपिगन और पूर्वी नारबोन के बीच एक हाई वोल्टेज इलेक्ट्रिसिटी लाइन को नुकसान पहुंचा है। पुर्तगाल की राष्ट्रीय विद्युत कंपनी फएठ ने कहा कि इसे पावर आउट-रेज का एक संभावित कारण माना जा रहा है।

ऑपरेशन में छह से दस घंटे का समय लग सकता है।यूरोन्यूज स्पेन ने बताया कि स्पेन सरकार ने मोनक्लोआ में एक आपातकालीन बैठक बुलाई है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। टेलीकम्युनिकेशन सेवाओं के साथ-साथ, स्पेन और पुर्तगाल के नागरिकों ने मोबाइल नेटवर्क तक पहुंच न होने की भी शिकायत की है। इसके अलावा, मैड्रिड का बाराखास अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी बिजली संकट से प्रभावित हुआ है। इसी दौरान क्षेत्र के कई अन्य हवाई अड्डों ने भी अपने संचालन को रोक दिया है। स्पेन के एक अधिकारी ने बताया कि बड़े पैमाने पर बिजली संकट के पीछे साइबर हमला तो नहीं है, इसकी जांच जारी है। हालांकि अभी तक कोई पक्का सबूत सामने नहीं आया है। स्पेन के नेशनल ग्रिड ऑपरेटर रेड एलेक्ट्रिका ने बयान जारी कर बताया कि पूरे देश में बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए सेक्टर कंपनियों के साथ मिलकर कई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

इसके अलावा पुर्तगाल के ग्रिड ऑपरेटर ई-रेडेस ने भी बताया कि यह संकट यूरोपीय पावर ग्रिड में आई समस्या के कारण उत्पन्न हुआ है। इस ब्लैकआउट ने केवल परिवहन सेवाओं को ही प्रभावित नहीं किया, बल्कि अन्य प्रमुख आयोजनों को भी बाधित किया।

पुतिन ने 3 दिन के एकतरफा सीजफायर का ऐलान किया

8 मई से लागू होगा; यूक्रेन से भी ऐसा ही करने की उम्मीद जताई

एजेंसी

मॉस्को, रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन के साथ 3 दिन के एक तरफा सीजफायर का ऐलान किया है। यह सीजफायर 8 मई से लागू होगा। पुतिन ने यूक्रेन से भी ऐसा ही करने की उम्मीद जताई है। इससे पहले रूस ने ईस्टर के मौके पर 20 अप्रैल को एक दिन के सीजफायर का ऐलान किया था। यह सीजफायर रूस के 80वें विक्ट्री डे के मौके पर किया जा रहा है। रूस सेकेंड वर्ल्ड वॉर में नाजी जर्मनी पर जीत के जश्न के तौर पर हर साल 8 मई को विक्ट्री डे परेड का आयोजन करता है। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने

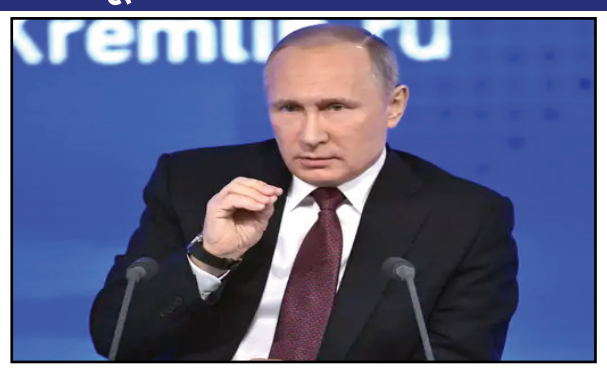

कहा है कि यह सीजफायर मानवीय आधार पर किया जा रहा है। इसकी शुरूआत 7-8 मई की दरमियानी रात होगी और 10-11 मई को आधी रात यह सीजफायर खत्म हो जाएगा। रूस की सेना का कहना है कि उसने देश के पश्चिमी कुर्स्क क्षेत्र पर पूरा नियंत्रण वापस पा लिया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन की सभी कोशिशें पूरी तरह असफल हो गई हैं। रूस के शीर्ष सैन्य कमांडर वालेरी गेरासिमोव ने कहा कि यूक्रेनी सैनिकों के कब्जे में बचा आखिरी गांव भी अब फिर से हासिल कर लिया गया है। यह आठ महीने पहले यूक्रेन के अचानक हमले के बाद हुआ है। गेरासिमोव ने यह भी दावा किया कि कुर्स्क क्षेत्र में 76,000 से अधिक यूक्रेनी सैनिक मारे गए या घायल हुए हैं। हालांकि इस दावे की पुष्टि नहीं हो सकी है। यूक्रेन ने इस दावे को खारिज कर दिया है। यूक्रेन का कहना है कि उसके सैनिक अब भी रूसी सीमा क्षेत्र में ऑपरेशन कर रहे हैं, और उसने मॉस्को के दावों को प्रोपेगैंडा बताया है। बीते कुछ महीनों में यूक्रेनी सेना को कुर्स्क क्षेत्र में भारी दबाव का सामना करना पड़ा है। यहां 70 हजार रूसी सैनिक और भारी ड्रोन हमलों की वजह से यूक्रेनी सेना को पीछे हटना पड़ा है। रूस इस क्षेत्र को फिर से हासिल करने के लिए बड़ा अभियान चला रहा है। अमेरिका स्थित थिंक-टैंक इंस्टिट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर (आईएसडब्ल्यू) ने 25 अप्रैल की रिपोर्ट में कहा- रूसी बलों ने हाल ही में कुर्स्क ओब्लास्ट (क्षेत्र) में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास बढ़त बनाई है, ताकि यूक्रेनी सैनिकों को उनके आखिरी बचे इलाकों से बाहर निकाला जा सके। आईएसडब्ल्यू ने यह भी बताया कि 25 अप्रैल को रूस के उत्तर-पश्चिमी बेलगोरोड क्षेत्र में भी लड़ाई जारी रही।

भारत और फ्रांस के बीच राफेल डील साइन

63 हजार करोड़ रुपए में 26 राफेल मरीन मिलेंगे, पहला फाइटर जेट 2028 में भारत पहुंचेगा

एजेंसी

नई दिल्ली, भारत और फ्रांस के बीच सोमवार को नई दिल्ली में 26 राफेल मरीन विमानों की डील साइन हो गई। भारत की तरफ से रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने डील पर साइन किए। डील के तहत भारत, फ्रांस से 22 सिंगल सीटर विमान और 4 डबल सीटर विमान खरीदेगा। ये विमान परमाणु बम दागने की क्षमता से लैस होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रांस के साथ ये डील करीब 63,000 करोड़ रुपए में हो रही है। हथियारों की खरीद के मामले में यह फ्रांस के साथ भारत की अब तक की सबसे बड़ी डील है। विमानों की खरीद को 23 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक में मंजूरी मिली थी। यह मीटिंग पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद बुलाई गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन विमानों की डिलीवरी 2028-29 में शुरू होगी और 2031-32 तक सभी विमान भारत पहुंच जाएंगे। भारत राफेल मरीन विमानों को कठर विक्रांत पर तैनात करेगा। विमान बनाने वाली कंपनी दसॉ एविएशन ने इन विमानों में भारत की जरूरत के हिसाब से कई बदलाव किए हैं। इसमें एंटी शिप स्ट्राइक, न्यूक्लियर हथियार लॉन्च करने की क्षमता और 10 घंटे तक फ्लाइट रिकॉर्ड करने जैसे फीचर शामिल हैं। इसके अलावा कंपनी भारत को हथियार प्रणाली, स्पेयर पार्ट्स और एयरक्राफ्ट के जरूरी टूल्स भी देगी। राफेल मरीन से पहले भारत फ्रांस से एयरफोर्स के लिए 36

राफेल जेट भी खरीद चुका है। 2016 में हुई इस डील के सभी विमान 2022 में भारत पहुंचे थे। इन्हें एयरफोर्स के अंबाला और हाशिनारा एयरबेस से संचालित किया जाता है। ये डील 58,000 करोड़ रुपए में हुई थी। राफेल मरीन विमान के फीचर्स एयरफोर्स के राफेल विमान से एडवांस हैं। कैसा है राफेल-एम का डिजाइन? राफेल-एम (मरीन) का उपयोग नौसेना के विमान वाहक पोत में होगा। 50.1 फीट लंबे राफेल-एम का वजन 15 हजार किलो तक है। फ्यूल कैपिसिटी भी 11,202 किग्रा है, जिससे यह ज्यादा देर तक उड़ सकता है। यह सिंगल और डबल सीटर विमान 52 हजार फीट की ऊंचाई तक जा सकता है। इस विमान के फोल्डिंग विंग्स भी काफी मजबूत हैं। रफ्तार 2205 किमी प्रतिघंटा है। क्या है राफेल-एम की खासियत? राफेल-एम सिर्फ एक मिनट में 18 हजार मीटर की ऊंचाई तक पहुंच सकता है। यह पाकिस्तान के एफ-16 और चीन के जे-20 से ज्यादा बेहतर है। यह उड़ान भरने के बाद 3700 किमी दूर तक हमला करने में सक्षम है। इसमें 30 एमएम की ऑटो कैनन गन और 14 हार्ड प्वाइंट्स हैं। यह बहुत कम जगह पर भी लैंड कर सकता है। किस तरह की मिसाइलें लैस होंगी? राफेल-एम में शक्तिशाली एंटी शिप मिसाइलें लगाई जा सकती हैं, जो हवा से हवा और हवा से जमीन पर मार करने में सक्षम हैं। यह विमान पनडुब्बियां खोजकर ध्वस्त करने वाले विशेष रडार से लैस होता है। खास बात यह है कि राफेल-एम में बीच हवा में ही रीफ्यूलिंग की जा सकती है। इससे इसकी रेंज और बढ़ जाएगी। इसकी पहली खेप 3 साल बाद मिलनी शुरू होगी। नौसेना को कैसे ताकतवर बनाएगा राफेल एम? नौसेना के पास दो विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य और आईएनएस विक्रांत हैं। इन पर अभी पुराने मिग 29के फाइटर जेट तैनात हैं। ऐसे में मॉडर्न राफेल-एम की तैनाती हो जाएगी, तो समंदर में भारत की ताकत और बढ़ जाएगी। राफेल-एम फाइटर जेट से नभ, थल और जल में नौसेना की पकड़ और मजबूत होगी।

यमन में अमेरिकी हमले में 68 की मौत, 47 घायल

अफ्रीकी प्रवासियों को रखने वाले डिटेंशन सेंटर पर एयर स्ट्राइक की

एजेंसी

सना, यमन के उत्तरी प्रांत सादा में सोमवार को अमेरिकी हमले में 68 लोगों की मौत हो गई है। ये हमला अफ्रीकी प्रवासियों को रखने वाले एक डिटेंशन सेंटर पर किया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस जेल में 115 कैदी थे, जिनमें से 47 घायल भी हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। इनमें से ज्यादातर की हालत गंभीर बताई जा रही है। यमन की अल मसीरा टीवी ने इस हमले की जो फुटेज जारी की

है, उसमें सादा में डिटेंशन सेंटर पर बमबारी के बाद मलबे में पड़े कई शव दिखाई दे रहे हैं। सादा के जनरल रिपब्लिकन अस्पताल ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि दर्जनों लोगों की मौत हुई है और कम से कम 50 घायल लोग अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं। फिलहाल इस हमले को लेकर अमेरिकी सेना की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने हमले की खबर सामने आने से पहले एक बयान जारी कर कहा था कि वे अपने एयरस्ट्राइक मिशन के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं करेंगे। सेंटकॉम ने कहा, 'ऑपरेशनल सुरक्षा बनाए रखने के लिए हमने जानबूझकर अपने मौजूदा या भविष्य के अभियानों की डिटेल्स के बारे में कम से कम जानकारी शेयर की है। हम अपने अभियान को लेकर बेहद सतर्क हैं, लेकिन हम यह नहीं बताएंगे कि हमने क्या किया है या क्या करने वाले हैं।' सेंटकॉम ने एक्स पर बयान पोस्ट कर बताया- 15 मार्च से, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने यमन में हूती आतंकवादी संगठन के खिलाफ एक तेज और लगातार अभियान चलाया है ताकि समुद्री रास्तों की आजाद कराया जा सके। यह अभियान सटीक और डिटेल खुफिया जानकारी के आधार पर चलाया गया है ताकि हूती ठिकानों को निशाना बनाया जाए और आम नागरिकों को कम से कम नुकसान पहुंचे। जब तक हूती विद्रोही समुद्री मार्गों में बाधा डालते रहेंगे, हम उन पर दबाव बढ़ाते रहेंगे और उनकी ताकत को कमजोर करते रहेंगे।

हमने दो-राष्ट्र सिद्धांत को फेंक दिया...

पहलगाम हमले के बाद फारूक अब्दुल्ला का पाकिस्तान को बड़ा संदेश

एजेंसी

जम्मू एवं कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि कश्मीरियों ने 1947 में द्वि-राष्ट्र सिद्धांत को पानी में फेंक दिया था और कहा था कि उनका क्षेत्र पाकिस्तान के साथ नहीं जाएगा। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष ने कहा कि वह पहले पाकिस्तान के साथ बातचीत के पक्ष में थे, लेकिन अब वह चाहते हैं कि केंद्र सरकार ऐसी कार्रवाई करे कि इस तरह के हमले फिर कभी न हों।एएनआई ने अब्दुल्ला के हवाले से कहा, ₹मैं हमेशा पाकिस्तान के साथ बातचीत का पक्षधर रहा हूं। हम उन लोगों को क्या जवाब देंगे जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया? क्या हम न्याय कर रहे हैं? बालाकोट नहीं। आज, राष्ट्र ऐसी कार्रवाई चाहता है ताकि इस तरह के हमले कभी न हों।₹

दो राष्ट्र सिद्धांत पर बात करते हुए अब्दुल्ला ने पाकिस्तान को बड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने 1947 में इस सिद्धांत को खारिज कर दिया था और आज भी इसे स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। अब्दुल्ला ने कहा, ₹हमें अफसोस है कि हमारा पड़ोसी आज भी यह नहीं समझ पा रहा है कि उसने मानवता की हत्या की है। अगर उन्हें लगता है कि ऐसा करने से हम पाकिस्तान के साथ चले जाएंगे, तो हमें उनकी गलतफहमी दूर कर देनी चाहिए। हम 1947 में

दो राष्ट्र सिद्धांत पर बात करते हुए अब्दुल्ला ने पाकिस्तान को बड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने 1947 में इस सिद्धांत को खारिज कर दिया था और आज भी इसे स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं।

उनके साथ नहीं गए थे, तो आज क्यों जाएंगे? हमने उस समय दो राष्ट्र सिद्धांत को पानी में फेंक दिया था। आज हम भी दो राष्ट्र सिद्धांत को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, हम सब एक हैं...हम उन्हें मुंहतोड़ जवाब देंगे।जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार आतंकवाद के खिलाफ लोगों के अभियान को मजबूत करेगी क्योंकि इसे केवल जनता के सहयोग से ही हराया जा सकता है। हालांकि, अब्दुल्ला ने आगाह किया कि सरकार को ऐसा कोई कदम उठाने से बचना चाहिए जिससे जनता अलग-थलग पड़ जाए।पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करने के लिए सदन में प्रस्ताव पर चर्चा को समाप्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आतंकवाद या उग्रवाद तभी खत्म होगा जब लोग हमारे साथ होंगे। आतंकवाद के खिलाफ लोगों के आक्रोश को देखते हुए, अगर हम उचित कदम उठाते हैं तो यह इसके खात्मे की शुरूआत है।उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हमें ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहिए

थार और बुलडोजर को डराने का प्रतीक बना रही है सरकार

सपा प्रमुख ने कहा कि युवा ही संविधान की रक्षा करेंगे और आरक्षण को बचाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि यह थार और बुलडोजर को सरकार डराने का प्रतीक बना रही है। उन्होंने दावा किया कि यह जो सांसद रामजीलाल सुमन जी पर हमला हुआ है, ये कहीं न कहीं इशारा करता है कि हमलावरों को सरकार का सहारा है।

एजेंसी

अखिलेश यादव का यूपी सरकार पर सीधा वार

अखिलेश यादव ने एक बार फिर राज्य सरकार पर आरोप लगाया है कि वह बढ़ती बेरोजगारी और असुरक्षा की ओर ध्यान न देते हुए थार और बुलडोजर के जरिए लोगों को डराने की कोशिश कर रही है। यादव समाजवादी विचारक राम मनोहर लोहिया के विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए प्रतिबद्ध संगठनात्मक विंग लोहिया वाहिनी के सदस्यों के साथ बैठक के बाद मीडिया को संबोधित कर रहे थे। अखिलेश ने कहा कि हम लोकतंत्र, कानून और इस देश के संविधान पर भरोसा करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार में कमीशनबाजी बढ़ी है, भ्रष्टाचार की सभी सीमाएं टूट चुकी हैं।सपा प्रमुख ने कहा कि युवा ही संविधान की रक्षा करेंगे और आरक्षण को बचाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि यह थार और बुलडोजर को सरकार डराने का प्रतीक बना रही है। उन्होंने दावा किया कि यह जो सांसद रामजीलाल सुमन जी पर हमला हुआ है, ये कहीं न कहीं इशारा करता है कि हमलावरों को सरकार का सहारा है। उन्होंने कहा कियुवा ही देश के संविधान और आरक्षण के अधिकार की रक्षा करेंगे। फिर भी, वे या तो रोजगार की कमी, अल्परोजगार या अनुचित वेतन से त्रस्त हैं। उन्होंने सरकार से शिक्षा के बढ़ते निजीकरण के बारे में भी सवाल किया, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि इसने इसे आर्थिक रूप से कमजोर और यहां तक ??कि मध्यम वर्ग की पहुंच से बाहर कर दिया है।जबकि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में कहा था कि राज्य की बेरोजगारी दर घटकर 2.4% हो गई है, यादव ने कहा कि अगर सरकार के अपने आंकड़ों के अनुसार, मुद्रा योजना के तहत 52 करोड़ लोगों को 36 लाख करोड़ रुपये वितरित किए गए होते, तो राज्य में एक भी बेरोजगार व्यक्ति नहीं होता। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) गैर-कॉर्पोरेट और गैर-कृषि लघु/ सूक्ष्म उद्यमों को 10 लाख रुपये तक का ऋण प्रदान करती है। योजना की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, इस योजना के तहत 5,41,012 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि वितरित की गई है।यादव ने सांसद रामजी लाल सुमन पर करणी सेना द्वारा हाल ही में किए गए हमले का भी जिक्र किया और कहा कि ऐसे हमले केवल इसलिए संभव हो पाए क्योंकि इन तत्वों को राज्य सरकार का संरक्षण प्राप्त है।

मुंबई हमले के मास्टरमाइंड की कस्टडी 12 दिन बढ़ी, एनआईए ने तहव्वुर राणा की रिमांड बढ़ाने की मांग की थी

राणा को कड़ी सुरक्षा के बीच अदालत में लाया गया, उसका चेहरा ढका हुआ था। वरिष्ठ अधिवक्ता दयान कृष्णन और विशेष सरकारी वकील नरेंद्र मान इस मामले में एनआईए का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। दिल्ली विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिवक्ता पीयूष सचदेवा राणा का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

एजेंसी

दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को 26/11 मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की हिरासत अवधि 12 दिन और बढ़ा दी। एनआईए के अनुरोध पर यह विस्तार दिया गया, क्योंकि उसकी पिछली 18 दिन की रिमांड खत्म हो चुकी थी। राणा को कड़ी सुरक्षा के बीच अदालत में लाया गया, उसका चेहरा ढका हुआ था। वरिष्ठ अधिवक्ता दयान कृष्णन और विशेष सरकारी वकील नरेंद्र मान इस मामले में एनआईए का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। दिल्ली विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिवक्ता पीयूष सचदेवा राणा का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। अपने पिछले रिमांड आदेश में अदालत ने एनआईए को हर 24 घंटे में तहव्वुर हुसैन राणा की मेडिकल जांच करने का निर्देश दिया था और उसे हर दूसरे दिन अपने वकील से मिलने की अनुमति दी थी। अदालत ने राणा को केवल ₹सॉफ्ट-टिप पेन₹ का उपयोग करने की अनुमति दी और निर्दिष्ट किया कि उसके वकील के साथ उसकी मुलाकात एनआईए अधिकारियों की उपस्थिति में होगी

ओटीटी , सोशल मीडिया पर अश्लील कंटेंट प्रतिबंध की मांग

अदालत ने केंद्र, नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम वीडियो, उल्लू, एएलटीटी, एक्स (पूर्व में ट्विटर), फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और अन्य को नोटिस जारी किए। इसने उन्हें उस याचिका पर जवाब देने का निर्देश दिया, जिसमें डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध अश्लील सामग्री के खिलाफ तत्काल नियामक उपायों की मांग की गई है।

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार सहित सभी प्लेटफॉर्म को भेजा नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र, प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म और प्रमुख सोशल मीडिया कंपनियों को एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर नोटिस जारी किया, जिसमें यौन रूप से स्पष्ट सामग्री की स्ट्रीमिंग पर रोक लगाने के लिए कार्रवाई की मांग की गई है। जस्टिस बीआर गवई और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि याचिका ने एक महत्वपूर्ण चिंता जताई है, लेकिन बताया कि यह मुद्दा मुख्य रूप से कार्यपालिका और विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। सुनवाई के दौरान जस्टिस गवई ने कहा कि जैसा कि यह है, आरोप हैं कि हम विधायिका और कार्यकारी शक्ति का अतिक्रमण कर रहे हैं। अदालत ने केंद्र, नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम वीडियो, उल्लू, एएलटीटी, एक्स (पूर्व में ट्विटर), फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और अन्य को नोटिस जारी किए। इसने उन्हें उस याचिका पर जवाब देने का निर्देश दिया, जिसमें डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध अश्लील सामग्री के खिलाफ तत्काल नियामक उपायों की मांग की गई है। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को सूचित किया कि सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 के तहत कुछ नियामक तंत्र पहले से ही मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त विनियमन सक्रिय रूप से विचाराधीन हैं। पांच याचिकाकताओं द्वारा दायर और अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन द्वारा दलील दी गई याचिका में ओटीटी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सामग्री की अधिक सख्ती से निगरानी और विनियमन के लिए एक राष्ट्रीय सामग्री नियंत्रण प्राधिकरण के गठन की मांग की गई है। सर्वोच्च न्यायालय ने अगली सुनवाई के लिए कोई विशिष्ट समयसीमा निर्धारित नहीं की है, लेकिन संकेत दिया है कि केंद्र की विस्तृत प्रतिक्रिया आगे की कार्यवाही को आकार देगी। यह मामला भारत के तेजी से बढ़ते डिजिटल मनोरंजन और सोशल मीडिया क्षेत्रों में सामग्री विनियमन के बारे में बढ़ती चिंताओं को उजागर करता है।

संक्षेप

एक्सप्रेसवे पर युवक का खतरनाक स्टंट

चलती कार की खिड़की से बाहर निकलकर ने किया स्टंट, पुलिस जांच में जुटी

बांदा,बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर एक युवक का खतरनाक स्टंट वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में युवक चलती कार की खिड़की से बाहर निकलकर स्टंट करता दिखाई दे रहा है। कार में लाल-नीली लाइट का इस्तेमाल कर युवक ने माहौल बनाने की कोशिश की। पुलिस की कार्रवाई के बावजूद युवक स्टंटबाजी करने से नहीं रुक रहा है। इस तरह की स्टंटबाजी को रोकने के लिए शासन ने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। स्थानीय पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। सड़क सुरक्षा के लिहाज से इस तरह की हरकतें खतरनाक हैं। इससे न केवल स्टंट करने वाले की जान को खतरा है, बल्कि अन्य वाहन चालकों की सुरक्षा भी जोखिम में पड़ सकती है।

चलते ट्रक के टायर में लगी आग

व्यापारी की झोंपड़ी जलकर राख, एक लाख का नुकसान

अमरोहा, मंडी धनौरा थाना क्षेत्र में शेरपुर मार्ग पर एक चलते ट्रक के टायर में आग लग गई। इस हादसे में ट्रक के पास स्थित बदरपुर व्यापारी मुकेश कुमार की झोंपड़ी भी आग की चपेट में आ गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों ने पाइप से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। लेकिन तब तक व्यापारी मुकेश कुमार की झोंपड़ी में रखा सारा सामान जलकर राख हो चुका था। इस घटना में व्यापारी को लगभग एक लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

बिजली का खंभा चोरी करते दो लोग पकड़े

ग्रामीणों ने की पिटाई, ट्रैक्टर-ट्रॉली में रखकर ले जा रहे थे

अमरोहा, अमरोहा के नौगांवा सादात थाना क्षेत्र के नौगांवा तगा गांव में बिजली के खंभे की चोरी का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने दो लोगों को बिजली का खंभा चुराते रंगे हाथों पकड़ लिया। ग्रामीणों ने दोनों को घेरकर मौके पर ही पिटाई कर दी। जानकारी के अनुसार, पड़ोसी गांव का एक किसान अपने खेत में टूटे बिजली के खंभे को बदलना चाहता था। इसके लिए वह दूसरे किसान के खेत में लगे बिजली के खंभे को ट्रैक्टर से ले जा रहा था। इसी दौरान ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया। नौगांवा सादात थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि ग्रामीण एक ट्रैक्टर थाने लेकर आए थे। बाद में दोनों पक्षों में आपसी समझौता हो गया। पुलिस ने इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की है क्योंकि किसी पक्ष से कोई शिकायत नहीं मिली है।

प्रयागराज में कश्मीरी छात्रों की सुरक्षा बढ़ाई

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के मुस्लिम हॉस्टल में रह रहे 5 छात्रों की विशेष निगरानी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे कश्मीरी छात्रों की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। विश्वविद्यालय के मुस्लिम हॉस्टल में रह रहे पांच कश्मीरी छात्रों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। पुलिस प्रशासन ने हॉस्टल के आसपास सुरक्षा बल की तैनाती बढ़ा दी है। आपात स्थिति के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है।

विश्वविद्यालय प्रशासन और पुलिस छात्रों के लगातार संपर्क में हैं। प्रयागराज में सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और भीड़भाड़ वाले इलाकों में विशेष निगरानी की जा रही है। सुरक्षा बलों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। डीसीपी प्रयागराज अभिषेक भारती ने कहा कि संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलते ही कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पुलिस को देने की अपील की है।

खेतों में लगी आग

सैकड़ों बीघा भूसा जला, दो भैंसों की मौत; अधिकारियों ने मुआवजे का दिया आश्वासन

प्रयागराज, कोराव तहसील क्षेत्र में अज्ञात कारणों से लगी आग ने बड़ी तबाही मचाई है। आग की चपेट में आने से सैकड़ों बीघा भूसा जलकर राख हो गया। साथ ही तीन दर्जन से अधिक आम के पेड़ झुलस गए और दो भैंसों की मौत हो गई। सेमरिहा गांव के बसंत लाल तिवारी, राम लल्लू, राम सागर और तराव गांव के बृज नारायण, शंभू पाल, शिव मनी, नरेंद्र सिंह तथा देवी बंध के शंभू पाल सिंह के खेतों में सुबह अचानक आग लग गई। तेज हवाओं के कारण आग तेजी से फैल गई। फायर ब्रिगेड की कई टीमों और स्थानीय किसानों की मदद से आग पर काबू पाया गया। तहसील के अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने आग लगने के कारणों की जांच के लिए एक टीम का गठन किया है। अधिकारियों ने प्रभावित किसानों को जल्द मुआवजा देने का आश्वासन दिया है। आग की इस घटना से आधा दर्जन से अधिक किसान प्रभावित हुए हैं।

प्रयागराज का बीएसएफ जवान गुलाम मोहम्मद शहीद

पश्चिम बंगाल बॉर्डर पर ड्यूटी के समय तबीयत बिगड़ी, थोड़ी देर में दम तोड़ा; घर पर लगी भीड़

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, बीएसएफ जवान गुलाम मोहम्मद शहीद हो गए। पश्चिम बंगाल बॉर्डर पर तैनात 45 साल के गुलाम मोहम्मद की ड्यूटी के दौरान तबीयत बिगड़ी। थोड़ी देर में उन्होंने दम तोड़ दिया। हंडिया के बरौत कस्बे में उनके घर पर लोगों की भीड़ लगी है। जवान के निधन की सूचना मिलते ही गांव में शोक छा गया। आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग उनके घर पहुंच रहे हैं। मुख्तार अहमद के बेटे गुलाम मोहम्मद कई साल से देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे थे। मुख्तार ने बताया- ड्यूटी के दौरान उनके बेटे की तबीयत बिगड़ी और मौत हो गई। ड्यूटी थी जवान के पार्थिव शरीर को सैन्य सम्मान के साथ उनके पैतृक गांव लाया जाएगा। पूरा गांव अपने वीर सपूत को अंतिम विदाई देने की प्रतीक्षा कर रहा है। भाई जियाउल हक ने बताया- सुबह 6 बजे बीएसएफ की ओर से फोन पर मौत की जानकारी दी गई। बांग्लादेश बॉर्डर पर लाश मिली है। रात में 12 से सुबह 6 बजे तक बॉर्डर पर उनकी तैनाती थी। परिवार वालों ने बताया कि गुलाम मोहम्मद ने 2005 में बीएसएफ ज्वाइन किया था। दो दिन पहले परिवार वालों से उनकी बात हुई थी।

तब उन्होंने कोई परेशानी नहीं बताई थी। बीमार भी नहीं थे। परिवार को बीएसएफ ने पीएम रिपोर्ट में करंट लगने की बात बताई गई है।

भाजपा मंडल उपाध्यक्ष पर हमला

चार आरोपी गिरफ्तार, हथियार बरामद; एम्स में चल रहा इलाज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, शिवरतनगंज थाना क्षेत्र में भाजपा मंडल उपाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। माठा गांव मजरे महिया सिंदुरिया के भाजपा नेता पर बदमाशों ने सरेराह हमला किया था। पुलिस ने अमन गुजर, गिरजाशंकर, देवेश शुक्ल और सुयश शुक्ल को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने घटनास्थल से कुछ दूर पुआल में छिपाए गए हथियार बरामद किए हैं। इनमें तीन लकड़ी की फंटी, दो लोहे की पाइप और तीन लोहे की सरिया शामिल हैं। हमले में गंभीर रूप से घायल भाजपा नेता का रायबरेली एम्स में इलाज जारी है। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने नामजद अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की।

प्राथमिक विद्यालय का नया भवन तैयार

स्कूल के नवनिर्मित भवन का ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ने किया उद्घाटन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, दूबेपुर ब्लॉक में प्राथमिक विद्यालय कतकौली के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया गया। सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अखिलेश प्रताप सिंह मौजूद रहे। खंड शिक्षा अधिकारी दुबेपुर राम तीर्थ वर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। समग्र शिक्षा अभियान के तहत पुराने जर्जर भवन की जगह नए भवन का निर्माण कराया गया।

विद्यालय प्रबंध समिति ने विभाग की देखरेख में इस भवन का निर्माण पूरा किया। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। स्कूल के बच्चों ने स्वागत गीत, देशभक्ति गीत और दहेज विरोधी गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में पूर्व प्रधान दुर्गेश शुक्ला, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष एवं ब्लॉक अध्यक्ष रमेश तिवारी समेत कई शिक्षक और अभिभावक शामिल हुए। विद्यालय के प्रधानाध्यापक रवींद्र वर्मा ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर उनका आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक अध्यापक सर्वेश सिंह ने किया।

पुलिस थाने में डिजिटल क्रांति

मालखाने में क्यूआर कोड से होगी माल की पहचान, नई बैरक और विवेचना कक्ष भी बने

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, उत्तर प्रदेश के अमेठी में थाना मोहनगंज को डिजिटल युग में प्रवेश करा दिया गया है। स्वास्थ्य राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने डिजिटल ई-मालखाना, नई बैरक और विवेचना कक्ष का उद्घाटन किया। नए ई-मालखाने में सभी माल को क्यूआर कोड से जोड़ा गया है। माल को पारदर्शी प्लास्टिक के डिब्बे में रखा जाता है। इसकी फोटो ई-मालखाना ऐप में अपलोड की जाती है। सिस्टम स्वचालित रूप से क्यूआर कोड बनाता है। क्यूआर कोड में माल का पूरा विवरण होता है। इसमें थाने का नाम, अपराध संख्या, माल का प्रकार और मात्रा शामिल है। माल को क्यूआर कोड लगाकर वर्षवार आलमारी में रखा जाता है। अधिकारी मोबाइल से कोड स्कैन कर माल का विवरण देख सकते हैं। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अमेठी अपर्णा रजत कौशिक और क्षेत्राधिकारी तिलोई अजय कुमार सिंह मौजूद रहे। नई बैरक और विवेचना कक्ष से पुलिसकर्मियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इससे प्रशासनिक कार्य और जांच में सहूलियत होगी।

प्रीतिभोज से गायब हुआ 4 साल का बच्चा

24 घंटे बाद भी नहीं मिला कोई सुराग, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, एक प्रीतिभोज से 4 वर्षीय बच्चा रहस्यमय तरीके से गायब हो गया। साढ़े पांच बजे से लापता बच्चे का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। घटना अमेठी कोतवाली क्षेत्र के ककवा बाजार की है। यहां टिकिया-समोसा की दुकान चलाने वाले राजाराम अग्रहरि के भाई की शादी के बाद प्रीतिभोज का आयोजन था। इस कार्यक्रम में रायबरेली के अरखा ऊंचाहार से राजाराम के बहनोई दीपक अग्रहरि अपनी पत्नी प्रीति और बेटे प्रिंस के साथ आए थे। कार्यक्रम के दौरान अचानक प्रिंस गायब हो गया। परिजनों और ग्रामीणों ने आसपास के इलाके में खोजबीन की। जब कहीं पता नहीं चला तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है। अमेठी एसएचओ बृजेश सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। संदिग्धों से पूछताछ भी की जा रही है। घटनास्थल पर पुलिस बल तैनात किया गया है। बच्चे की गुमशुदगी से परिवार टूट चुका है। मां प्रीति बेसुध अवस्था में हैं और लगातार रो रही हैं। पिता दीपक अग्रहरि की भी हालत खराब है।

मामा राजाराम ने बताया कि भांजा कार्यक्रम में मौजूद था और अचानक गायब हो गया। पुलिस ने रात भर गांव के सभी घरों में बक्सा बेड सब कुछ खुलवाकर चेक किया, लेकिन बच्चे का पता नहीं चल सका।

युवकों से मारपीट के विरोध में हुआ हंगामा

पुलिस ने 3 लोगों पर दर्ज किया है छेड़छाड़ का मुकदमा, परिजन बोले- झूठे आरोप लगाए गए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, लोधा थाना क्षेत्र के गांव चिकावटी में 3 युवकों के साथ हुई मारपीट और फिर उनके ऊपर दर्ज हुए मुकदमे के विरोध में परिवार के लोगों ने सोमवार को एसएसपी कार्यालय का घेराव किया। दलित समाज के लोग एकजुट होकर एसएसपी कार्यालय पहुंचे और जमकर नारेबाजी की। उनका कहना था कि दलित समाज के युवक यू-ट्यूबर हैं और वह मौके पर खड़े होकर सिर्फ वीडियो बना रहे थे। लेकिन आसपास के दबंग लोगों ने उनके साथ जबरन मारपीट की। इतना ही नहीं युवकों को बीच सड़क पर निर्वस्त्र करके पीटा और वीडियो भी वायरल कर दिया। दलित समाज के लोगों ने युवकों से मारपीट करने वालों पर कार्रवाई की मांग की। लोधा के चिकावटी में तीन युवकों से जमकर मारपीट की गई थी। गांव के लोगों ने स्कूली छात्रा से छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए तीन युवकों को बेरहमी से पीटा था। आरोपियों ने उनके कपड़े उतारकर उन्हें निर्वस्त्र कर दिया था और जमकर पिटाई की थी। युवकों को नंगा करके पीटने का यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल भी हुआ था। इसके बाद पुलिस ने रविवार को तीनों युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी थी और उन्हें गिरफ्तार करने की भी तैयारी चल रही थी। इसी का सोमवार को विरोध किया गया। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि दलित समाज के युवक निर्दोष हैं। वह सिर्फ यू-ट्यूब चैनल के लिए वीडियो बना रहे थे। लेकिन लोगों ने उनकी पिटाई कर दी। पहले दिन पुलिस ने तीनों युवकों का सिर्फ शांति भंग में पाबंद किया था। इसके बाद उनके खिलाफ छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

दलित समाज के लोग हाथों में नीले झंडे लेकर एसएसपी कार्यालय पहुंचे और जमकर प्रदर्शन किया। उनके साथ बसपा नेता सलमान शाहिद और सपा की जिलाध्यक्ष लक्ष्मी धनगर भी मौके पर पहुंच गई। उन्होंने अधिकारियों से मिलकर युवकों का मुकदमा वापस लेने और निष्पक्ष जांच की मांग की। इसके साथ ही उनका कहना था कि युवकों के साथ बेरहमी से मारपीट की गई। वीडियो में गांव के दबंग युवकों को बुरी तरह से पीटते हुए नजर आ रहे हैं, पुलिस ने इनके ऊपर कार्रवाई क्यों नही की।

व्यापारियों ने अधिकारियों पर लगाया वसूली का आरोप

कहा- सचल दल प्रभारी और सीटीओ करते हैं महीना वसूली, अपर आयुक्त से की शिकायत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, व्यापारियों ने राज्य कर सचल दल प्रभारी राजेंद्र चक्रवर्ती और सीटीओ योगेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। व्यापारियों का कहना है कि अधिकारी हर महीने उनसे अवैध वसूली कर रहे हैं। प्रदेश महामंत्री रवींद्र त्रिपाठी ने अपर आयुक्त अयोध्या को बताया कि कई बाजारों के भ्रमण के दौरान व्यापारियों से यह शिकायतें मिली हैं। आरोप है कि जो व्यापारी पैसे नहीं देते, उनका उत्पीड़न किया जाता है। वहीं जो पैसे देते हैं, उन्हें बिना बिल के माल ले जाने की छूट दी जाती है। शिकायत में कहा गया है कि अधिकारी व्यापारियों से अभद्र व्यवहार करते हैं और उनके मोबाइल भी छीन लेते हैं। ई-रिक्शा और पिकअप वाहनों से 5 से 10 रुपये तक की वसूली की जाती है।

मुसाफिरखाना में 11.37 करोड़ की सड़क का निर्माण शुरू

नेवादा-पूरे पहलवान मार्ग के चौड़ीकरण से 20 गांवों को मिलेगी सुविधा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, मुसाफिरखाना में राज्य सड़क निधि से नेवादा से पूरे पहलवान मार्ग का चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण कार्य प्रारंभ हो गया है। गौरीगंज विधायक राकेश प्रताप सिंह ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन कर शिलान्यास किया। 5.80 किलोमीटर लंबी इस सड़क के निर्माण की अनुमानित लागत 11 करोड़ 37 लाख 71 हजार रुपये है। यह मार्ग पहले से जर्जर था और कम चौड़ाई के कारण लोगों को परेशानी होती थी। नई सड़क बनने से 20 से अधिक गांवों के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। विधायक राकेश प्रताप सिंह के प्रयास से योगी सरकार ने इस परियोजना को मंजूरी दी। शिलापट्ट अनावरण के दौरान विधायक ने कहा कि क्षेत्र में सड़क, जल, विद्युत और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि नई सड़क से व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और ग्रामीण जीवन स्तर में सुधार होगा।

बाल पुष्टाहार योजना में बड़ा घोटाला

गोवर्धन में 2 महीने में एक बार मिल रहा पुष्टाहार, आंगनबाड़ी कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार का आरोप

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, उत्तर प्रदेश के गोवर्धन क्षेत्र में बाल विकास एवं पुष्टाहार योजना में बड़े पैमाने पर अनियमितता सामने आई है। योजना के तहत 6 महीने से 3 वर्ष तक के बच्चों को हर महीने पुष्टाहार मिलना चाहिए। लेकिन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता दो से तीन महीने में एक बार ही इसका वितरण कर रहे हैं। गांव गाँठोली में एक लाभार्थी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का वीडियो बनाया। इससे पता चला कि नियमित वितरण नहीं हो रहा है।

सरकारी दस्तावेजों में हर महीने वितरण दिखाया जा रहा है। लेकिन वास्तविकता में लाभार्थियों को समय पर पुष्टाहार नहीं मिल रहा है। लापरवाही बरतने वालों पर कानूनी कार्रवाई इस योजना के लाभार्थियों में 6 महीने से 6 वर्ष तक के बच्चे, गर्भवती महिलाएं और स्तनपान कराने वाली माताएं शामिल हैं। योजना के तहत दाल, दलिया, रिफाइंड और चावल का वितरण किया जाता है।

गोवर्धन के सीडीपीओ योगेंद्र सिंह ने कहा कि अप्रैल में दो महीने का पुष्टाहार एक साथ वितरित किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि वितरण में लापरवाही बरतने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी ,एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग,कुर्ला (प)मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई ,ठाणे 400709 से मुद्रित । संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी